शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 283 | गुवाहाटी | मंगलवार, 14 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

महंगाई और महिलाओं पर अत्याचार करने वाली है सरकार : प्रियंका गांधी पेज 2
पति ने की पत्नी की निर्मम हत्या, गिरफ्तार पेज 3
मुस्लिम महिलाएं बोलीं, प्रधानमंत्री मोदी हैं हमारे मुक्तिदाता पेज 5
बजरंग का एक्सपायरी किट से सैंपल लेने पहुंचे डीसीओ को हटाया, नाडा ने की कार्रवाई पेज 7

96 सीटों पर चौथे चरण का मतदान खत्म

बंगाल में हुई बंपर वोटिंग जम्मू-कश्मीर में सबसे कम

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 96 निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग खत्म हो चुकी है। सोमवार शाम 5 बजे तक 62 फीसदी प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। पश्चिम बंगाल में 75.66 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया, इसके बाद मध्य प्रदेश में 68.01 प्रतिशत मतदान हुआ। जम्मू-कश्मीर और महाराष्ट्र क्रमश: 35.75 प्रतिशत और 52.49 प्रतिशत मतदान के साथ फिसड्डी रहे। अन्य राज्यों में, आंध्र प्रदेश में 68.04 प्रतिशत, बिहार में 54.14 प्रतिशत, झारखंड में 63.14 प्रतिशत, ओडिशा में 62.96 प्रतिशत, तेलंगाना में 61.16 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 56.35 प्रतिशत मतदान हुआ। पश्चिम बंगाल के बोलपुर (सुरक्षित) लोकसभा सीट पर सबसे अधिक 77.77 प्रतिशत और उसके बाद राणाघाट (सुरक्षित) पर 77.46 प्रतिशत मतदान हुआ। बर्धमान-पूर्व में 77.36 प्रतिशत, कृष्णानगर में 77.29 प्रतिशत, बीरभूम (एससी) में 75.45 प्रतिशत बहरामपुर में 75.36 प्रतिशत, बर्धमान-दुर्गापुर में 75.02 प्रतिशत और आसनसोल में 69.43 प्रतिशत मतदान हुआ। सिंहभूम सीट पर सबसे अधिक 66.11 प्रतिशत, खूंटी सीट पर 65.82 प्रतिशत, लोहरदगा सीट पर 62.60 प्रतिशत और पलामू सीट पर 59.99 प्रतिशत मतदान हुआ। मध्य प्रदेश के देवास में 71.53 प्रतिशत, धार में 67.55 प्रतिशत, इंदौर में 56.53 प्रतिशत, खंडवा -शेष पृष्ठ दो पर

वाराणसी में पीएम के रोड शो में टूटी मजहब की दीवार, मुस्लिम महिलाओं ने की पुष्पवर्षा

वाराणसी (हि.स.)। वाराणसी संसदीय सीट से लगातार तीसरी बार नामांकन करने शहर में पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार शाम को मेगा रोडशो किया। भगवामय शहर में भाजपा की ओर से आयोजित रोडशो में शामिल होने के लिए सड़कों और गलियों से जनसैलाब उमड़ पड़ा। बीएचयू के सिंह द्वार लंका पर स्थित महामना मदन मोहन मालवीय के विशाल प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रधानमंत्री मोदी ने रोड शो की शुरुआत की। रोड शो में शामिल प्रधानमंत्री ने भगवा रंग का कुर्ता और सफेद रंग की सदरी पहन रखी थी। रोडशो के रथ पर प्रधानमंत्री मोदी

के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी उत्साह से लोगों का अभिवादन कर रहे थे। लंका से प्रधानमंत्री का रथ लाखों के हुजूम के बीच आगे बढ़ा तो लोगों ने शाही अंदाज में विजेता नायक की तरह प्रधानमंत्री का शंखध्वनि, पुष्पवर्षा के बीच भव्य स्वागत किया। रोड शो में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति लोगों की दीवानगी एक बार देखने को मिली। हर-हर महादेव, मोदी-मोदी के गगनभेदी नारों से आसमान गुंजायमान रहा। प्रधानमंत्री लोगों का अभिवादन हाथ जोड़ कर विनम्रता से -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : कांगपोकपी में चार पुलिसकर्मियों का अपहरण

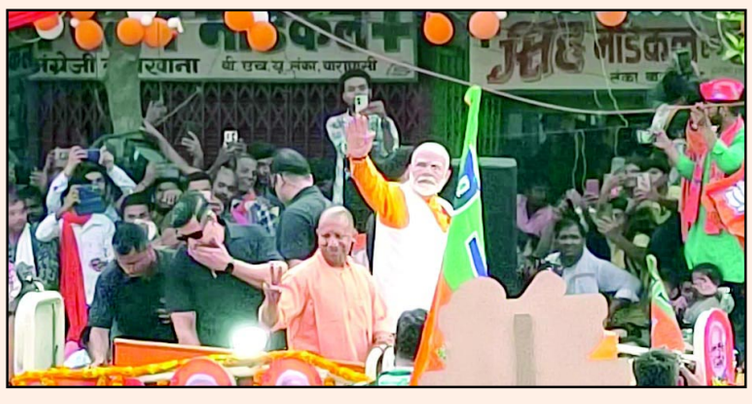

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने कांगपोकपी पुलिस स्टेशन में तैनात चार पुलिसकर्मियों के अपहरण और उन पर हमला करने के आरोप में मैतयी संगठन *अरामबाई तेंगगोल* से जुड़े दो लोगों को रविवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि चार पुलिसकर्मियों का शनिवार रात इंफाल पूर्वी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर अपहरण कर लिया गया, जब वे इंफाल से कांगपोकपी जा रहे थे। अपहृत पुलिसकर्मियों की पहचान राम बहादुर कार्की, रमेश बुधाथोकी, मनोज खातीवोडा और मोहम्मद ताज खान के रूप में की गई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपित -शेष पृष्ठ दो पर

नरेंद्र मोदी को मौका दें, पंजाब देश का नंबर वन राज्य बनेगा : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि एक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मौका दें, पंजाब देश का नंबर वन राज्य बन जाएगा। डॉ. शर्मा सोमवार को पंजाब में एक चुनावी रोड शो में भाग लेने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि आप सभी लोगों के बीच जाएं और कहें कि पंजाब को न तो कांग्रेस के राहुल गांधी और ना ही आम आदमी पार्टी के भगवंत मान सही नेतृत्व दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जमकर वोट दिया है। वहीं, देश के पूर्वी राज्यों में भाजपा के प्रति लोगों का काफी रुझान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सुबह उन्होंने पटना साहिब गुरुद्वारा में माथा ठेका। वहां के लोगों से बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोग तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री देखना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

समस्त जीवो मे मनुष्य सर्वश्रेष्ठ बताया गया है; क्यूंकि उसके पास आत्मविवेक और आत्मज्ञान है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

मुंबई में आंधी-तूफान से तबाही होर्डिंग गिरने से 35 लोग घायल

मुंबई। मुंबई में इस सीजन की पहली बारिश के साथ तेज धूल भरी आंधी चली है। इस वजह से आसमान में अंधेरा छा गया। बारिश की वजह से मुंबई वासियों को राहत तो मिली लेकिन आंधी की वजह से घाटकोपर में तबाही मच गई। आंधी-तूफान की वजह से मुंबई के घाटकोपर में एक 100 फुट लंबी होर्डिंग उखड़ गई। इस हादसे में 35 लोग घायल हो गए जबकि, 100 से ज्यादा लोग मौके पर फंस गए। एक अधिकारी का कहना है कि यह हादसा -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह के संचालन के लिए समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली/तेहरान। भारत और ईरान ने सोमवार को ईरान के चाबहार में शाहिद बेहेश्ती बंदरगाह टर्मिनल के संचालन के लिए दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। ईरान में भारतीय दूतावास द्वारा एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला के अनुसार, अनुबंध पर भारत पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड और ईरान के बंदरगाहों और समुद्री संगठन द्वारा बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। यह पहली बार है जब भारत किसी विदेशी बंदरगाह का प्रबंधन संभालेगा। इस मौके पर सोनोवाल ने कहा कि इस अनुबंध पर हस्ताक्षर के साथ हमने चाबहार में भारत की दीर्घकालिक भागीदारी की नींव रखी है। सोनोवाल ने कहा कि इस -शेष पृष्ठ दो पर

कुप्रथाओं के खिलाफ लड़ने वालीं पद्मश्री बिरुबाला राभा का निधन

गुवाहाटी (हि.स.)। जीवनभर टोना टोटका व डायन हत्या जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ लड़ने वाली पद्मश्री बिरुबाला राभा का सोमवार को निधन हो गया। उन्होंने आज सुबह 9.23 बजे गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थीं। राभा के निधन पर मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने शोक व्यक्त किया और राभा का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ करने की घोषणा की। ग्वालपाड़ा में असम-मेघालय सीमा पर ठाकुरविला नामक गांव के एक किसान परिवार में 1954 में जन्मीं बिरुबाला राभा पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद स्कूल छोड़ दिया था। वह बचपन से ही विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में शामिल रहीं। वर्ष 2000 से उन्होंने समाज में प्रचलित जादू-टोना के खिलाफ काम किया। पिछले दो दशकों से वह ग्वालपाड़ा जिले में फैले अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता लाने के लिए अथक संघर्ष किया। उन्होंने गांवों में जाकर अंधविश्वासों के खिलाफ लोगों को जागरूक करने की कोशिश की। राभा ने असम में जादू-टोने के संदेह में प्रताड़ित कई लोगों की मदद की थी। बिरुबाला राभा को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए विभिन्न पुरस्कारों और सम्मानों से भी सम्मानित किया गया। वर्ष 2021 में उन्हें समाज सेवा के लिए केंद्र सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया था। इसके अलावा राभा को वर्ष 2011 में सर्वेश्वर दत्त सोवर्णी पुरस्कार, वर्ष 2008 में मुंबई में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेट ने सम्मानित किया गया था। नगांव के आनंदराम ढेकियाल फुकन कॉलेज ने उन्हें वर्ष 2019 में *आनंदराम ढेकियाल फुकन पुरस्कार* और वर्ष 2015 में उपेंद्रनाथ ब्रह्म सोल्जर ऑफ ह्यूमैनिटी अवार्ड मिला था। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने बिरुबाला राभा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि महान हस्ती बीरुबाला राभा के निधन की खबर से गहरा दुख हुआ। मैं ईश्वर से उनकी दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। समाज से -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

15 को हजारीबाग कोडरमा और धनबाद में सभा करेंगे डॉ. शर्मा

रांची (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा 15 मई को हजारीबाग, कोडरमा और धनबाद लोकसभा क्षेत्रों में जनसभा को संबोधित करेंगे। डॉ. शर्मा रामगढ़ जिले के रजरप्पा डीएवी मैदान में जनसभा संबोधित -शेष पृष्ठ दो पर

पीओके : पाक पीएम शहबाज की उड़ी नींद, रेंजर किए तैनात

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार व सेना के खिलाफ लगातार चौथे दिन भी हिंसक प्रदर्शन जारी रहे जिससे स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्र में भड़के हिंसक विरोध प्रदर्शनों को नियंत्रित करने के लिए रविवार को पीओजेके में पाकिस्तानी सैन्य रेंजरों को तैनात किया गया। यह फैसला अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) के आह्वान पर लिया गया। पीओके में उठी बगावत ने पाक की शहबाज शरीफ सरकार की नींदें उड़ा दी है। एआरवाई न्यूज ने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ क्षेत्र में मौजूदा स्थिति पर चर्चा के लिए सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाएंगे। दरअसल पाक सरकार व सेना से तंग आए पीओके के लोग भारत से मदद की गुहार लगा लगा रहे हैं। मुजफ्फराबाद में छात्र नेताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है और पाकिस्तान से आजादी के नारे लगाए जा रहे हैं। वहीं, सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद पाकिस्तान सरकार ने स्थिति पर काबू पाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इससे पहले, पीएम शरीफ ने रविवार को भी पीओजेके के प्रधानमंत्री से बात की थी और क्षेत्र में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन के पदाधिकारियों को शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए एक्शन कमेटी के नेताओं के साथ जुड़ने का निर्देश दिया था। शहबाज शरीफ ने कहा है कि वह इसके बारे में चिंतित हैं और कानून को अपने हाथ में लेने और सरकारी -शेष पृष्ठ दो पर

भविष्य में कब्जे वाला कश्मीर भी भारत का हिस्सा बन जाएगा : जयशंकर

मुंबई (हि.स.)। भारत सरकार के विदेश मंत्री और भाजपा नेता एस. जयशंकर ने सोमवार को मुंबई में कहा कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण भविष्य में पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भी भारत का हिस्सा बन जाएगा। एस. जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की आतंकियों के खिलाफ जबरदस्त लड़ाई के चलते देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पूरी तरह से आतंकवाद से मुक्त हो गई है। विदेश मंत्री एस. -शेष पृष्ठ दो पर

जयपुर के 56 स्कूलों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

जयपुर (हि.स.)। जयपुर बम धमाकों की सोलहवीं बरसी पर राजधानी के 56 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई मेल मिलने के बाद सोमवार सुबह शहर में सनसनी फैल गई। पुलिस जानकारी में सामने आया कि सोमवार सुबह स्कूल खुलने से पहले ही राजधानी के कई स्कूलों को ई मेल मिला, जिसमें स्कूल परिसर में बम प्लांट करने की धमकी दी गई। राजधानी में एक-एक कर जैसे ही स्कूल प्रबंधन को इसकी जानकारी मिली तो हड़कंप मच गया। सूचना के बाद पुलिस ने भी मोर्चा संभाला और जिन स्कूलों को धमकी मिली, वहां सघन जांच अभियान चलाया। इसके अलावा बम निरोधक दस्ते ने सुबह से शाम तक सघन चैकिंग की, लेकिन कहीं पर भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद पुलिस के साथ ही स्कूल प्रबंधन और परिजनों ने भी राहत की सांस ली। अब पुलिस उस संदिग्ध ई मेल आईडी के जरिए धमकी देने वाले बदमाश तक पहुंचने का प्रयास -शेष पृष्ठ दो पर

बेंगलुरु के अस्पतालों को भी मिली धमकी

बेंगलुरु। पुलिस ने सोमवार को कहा कि यहां छह निजी अस्पतालों को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने शहर के इन अस्पतालों में डॉग स्क्वाड और बम निरोधक टीमों के साथ व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा ने इन अस्पतालों के परिसर के अंदर कोई -शेष पृष्ठ दो पर

यूक्रेन ने रूस पर किए ताबड़तोड़ हमले बिजली सबस्टेशन व तेल डिपो जल कर राख

कीव। रूस के यूक्रेन की उत्तरी सीमा पर नौ गांवों पर कब्जा करने के बाद यूक्रेन ने रूस पर ताबड़तोड़ हमले कर दिए जिसमें रूसी तेल डिपो और बिजली सबस्टेशन में आग लग गई। रूस और यूक्रेन के बीच सालों से चल रही लड़ाई के बीच आज यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) द्वारा रूस पर नया हमला किया गया जिसमें रूस के बेलगोरोड और लिपेत्स्क क्षेत्रों में एक तेल डिपो और बिजली सबस्टेशन में आग लग गई।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेनी सैनिक दो सीमावर्ती क्षेत्रों में आगे बढ़ रही है। यूक्रेन ने चेतावनी दी है कि उत्तरी खारकीव क्षेत्र में तेजी से हालात बिगड़ रहे हैं। बॉर्डर इलाकों से सैंकड़ों लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है। यूक्रेनी खुफिया सूत्र ने बताया कि हमले में रूस के बेलगोरोड क्षेत्र में स्टारी ओस्कोल शहर के पास *ओस्कोलनेफ्टेस्नाब* तेल डिपो और लिपेत्स्क क्षेत्र में *येलेत्सकाया* -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE
Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph. : 94350-48866, 94018-06952

महंगाई और महिलाओं पर अत्याचार करने वाली है सरकार : प्रियंका गांधी

अमेठी (हि.स.)। लोकसभा क्षेत्र अमेठी के संग्रामपुर ब्लॉक के शुकुलपुर गांव में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने बचपन की यादें ताजा करते हुए बताया कि जब मैं आती थी तो यहां पर सारी जमीन सफेद दिखती थी। जब पिताजी से पूछती थी तब वह बताते थे कि इसमें नमक बहुत है यह उसर है और उपजाऊ जमीन नहीं है। आज मैं आती हूं तो हर जगह हरियाली दिखती है यह अपने आप नहीं हुआ यह मेरे पिताजी का काम था। यहां की सारी ऊसर जमीनों को उपजाऊ बनाने के लिए योजना बनवाई थी। उन्होंने कहा यहां की सांसद जब 400 रुपए का सिलेंडर हुआ तो दिल्ली में सिलेंडर पर बैठकर मीडिया को बोली हम हड़ताल करेंगे। अब 12 सौ का हो गया तो चुप हो गई। महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं यह लोग लेकिन महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है जिसने अत्याचार किया है उसी की रक्षा हो रही है। उन्नाव में नौजवान महिला के साथ अत्याचार हुआ और इन लोगों ने अत्याचारियों को बचाया। यही हाथरस में हुआ उस लड़की की चिता को रात में जला दिया गया, मां-बाप उसे देख भी नहीं पाए। यही है मोदी जी की सरकार जिसमें आपकी सांसद स्मृति ईरानी हैं। उन्होंने कहा कि यह कभी किसी ने सोचा नहीं था कि दिन-रात मेहनत करेंगे और फसल आवारा पशु चर डालेंगे। किसानों की कोई सुनवाई नहीं है। हमने छत्तीसगढ़ में आवारा पशुओं से निजात दिलाई है। मेरी सरकार बनेगी तो यहां पर भी आवारा पशुओं से किसानों को निजात दिलाएंगे। प्रियंका वाड्रा ने कहा कि नौजवान बेरोजगार पड़े हैं उनके लिए कोई योजना नहीं है। केंद्र में 30 लाख पद खाली पड़े हैं। सरकार की यदि नियत सही होती है तो नीतियां भी सही होती है पिताजी की नियत सही थी यहां आते थे श्रद्धा से आप सबकी देखभाल करते थे। तब जाकर विकास के बड़े-बड़े कार्य हुए। लखनऊ से जोड़ने वाली सड़क कांग्रेस के समय में बनी है। यह लोग कहते हैं कि धार्मिक है गौ माता को पूजते हैं लेकिन गौशालाओं की हालत आपने देखी है यहां पर गाय बिना चारे पानी के धूप में पड़ी हुई है। मैंने देखा है कि कुत्ते गायों के घाव खा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंच पर आते ही स्मृति ईरानी हमें और हमारे परिवार को गाली देना शुरू कर देती हैं। राजीव जी जैसे शहीद को देशद्रोही बताती हैं। मोदी जी तो उनसे भी बढ़कर हैं। यहां जनता रो रही है और मोदी जी बड़े-बड़े मंचों पर दिख रहे हैं। गाजे बाजे, तामझाम और कुर्ते इतना साफ सुथरे चमक रहे हैं कि बहनों पता नहीं क्या लगाते होंगे चमकने के लिए? हमें भी बता दें हम भी चमकें। प्रियंका वाड्रा ने कहा कि मेरे पिताजी आते थे प्रचार के लिए तो उसके बाद मुझे रोना आता था। लोग उनके हाथों को पढ़ते थे तो निशान होते थे और घाव होते थे, थके हुए लगते थे। कुर्ता भी मैल से भरा हुआ होता था। खुद घूमते थे और रात को गाड़ी में सोते थे। घर आते थे नहा धो के और दो घंटे में ही निकल जाते थे और आज आपके प्रधानमंत्री वाह वाह! अरे कभी मंच से उतर कर जनता से नमस्ते तो कर लें, कभी एक बार खेत में जाकर पूछ तो लें कि कैसे चल रहा है यहां पर काम? कैसे कमाई हो रही है? एक बार घर के अंदर आए देखें बहनें चूल्हा कैसे जला रही हैं? खाना कैसे बन रहा है? दो दिन की दिहाड़ी नहीं मिलती तो बहनें भूखे सोती हैं। इन्होंने कभी पूछ भी नहीं होगा। वह तमाम फिजूल की बातें करेंगे, एक काम की बात नहीं करते हैं। आपकी सांसद (स्मृति ईरानी) को तो कोई काम ही नहीं है।

माधवी लता के खिलाफ एफआईआर दर्ज

हैदराबाद/ नई दिल्ली (हि.स.)। हैदराबाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी माधवी लता विवादों में घिर गई हैं। एक मतदान केंद्र पर महिला मतदाताओं का बुर्का हटवाकर चेक करने पर माधवी लता के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। माधवी लता के खिलाफ मलकपेट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। हैदराबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए रिटर्निंग अधिकारी और कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ने ट्वीट कर बताया कि उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 171सी, 186, 505(1)(सी) और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 132 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मतदान केंद्र पर बुर्का पहने महिलाओं की वोटर आईडी चेक करने का उनका एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है।

एबीटी आतंकवादी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर बांग्लादेश के आतंकवादी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। सोमवार को असम पुलिस की विशेष शाखा द्वारा इन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों की पहचान बहार मियां और राचेल मियां के रूप में हुई है। वे गुजरात से सिलचर जा रहे थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि ये दोनों एबीटी के सदस्य हैं। दोनों को पुलिस विशेष शाखा की हिरासत में रखकर उनसे पूछताछ कर रही है। उनके विरुद्ध विशेष शाखा में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस फायरिंग में घायल बाबा श्याम की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। पुलिस फायरिंग में घायल हुए बाबा श्याम की आखिरकार आज मौत हो गई। बाबा श्याम तेरह दिन पहले गोली लगने से घायल हो गए थे। गौरतलब है कि गोलाघाट कुमारपट्टी के श्याम को पुलिस की गोली लगी थी, जब वह एक घटना को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे थे। बाबा श्याम पर उसके पड़ोसी ने हमला करने की कोशिश की थी। मामले को नियंत्रित करने गई पुलिस की गोली से घायल श्याम कथित तौर पर मानसिक रूप से बीमार हो गए थे। बाबा श्याम के निधन के बाद पूरे क्षेत्र में मिलीजुली प्रतिक्रिया व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने घर के एकमात्र कमाने वाले बाबा की मौत के कारण गरीब परिवार के लिए आर्थिकारिक राहत की मांग की है।

भारी मात्रा में लकड़ी जब्त

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के तामरहाट कमलाझाड़ इलाके में वन विभाग की टीम ने अभियान चला कर भारी मात्रा में लकड़ी जब्त किया है। वन विभाग ने सोमवार को बताया कि मटेरझाड़ वन विभाग की टीम द्वारा पर्वतझोरा बांसबारी वनांचल में चलाए गए अभियान के दौरान भारी मात्रा में काटकर छुपाए गए, साल के पेड़ की लकड़ी को जब्त किया गया। जब्त किए गए लकड़ी को पहाड़ इलके में छुपा कर रखा गया था।

इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप में बाढ़ से 37 लोगों की मौत

पडांग (हि.स.)। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर भारी बारिश और अचानक बाढ़ आ जाने से कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई और 12 से अधिक लोग लापता हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने कहा कि मॉनसून की बारिश और माउंट मारापी की ठंडे लावे वाली ढलानों से कीचड़ के प्रवाह से हुए भूस्खलन के कारण शनिवार मध्यरात्रि को एक नदी में उफान के कारण पश्चिम सुमात्रा प्रांत के चार जिलों के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि कई लोग बाढ़ में बह गए और 100 से अधिक घर और इमारतें जलमग्न हो गईं। ठंडा लावा, ज्वालामुखीय सामग्री और मलबे का मिश्रण है जो बारिश में ज्वालामुखी की ढलानों से बहता है। राष्ट्रीय तलाश एवं बचाव एजेंसी ने एक बयान में कहा कि रविवार दोपहर तक बचावकर्मियों ने अगम जिले के सबसे अधिक प्रभावित कैंडुआंग गांव में 19 शव बरामद किए और पड़ोसी जिले तनाह दातर में नौ अन्य शव बरामद किए गए हैं।

दिलीप घोष के काफिले पर हमला, सुरक्षाकर्मी घायल

कोलकाता। लोकसभा चुनाव के लिए चौथे चरण की वोटिंग के बीच पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता दिलीप घोष के काफिले पर हमले की घटना सामने आई है। दिलीप घोष बर्धमान दुर्गापुर लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में हैं। काफिले पर हमले के लिए कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार बताया जा रहा है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने उनकी कार पर पथराव किया। बताया जा रहा है कि दिलीप घोष के काफिल पर यह हमला बर्दवान नॉर्थ के बूथ नंबर 204 के पास हुआ है। दरअसल, दिलीप घोष सोमवार सुबह सबसे पहले बर्धवान के तुल्ला बाजार पहुंचे थे। कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद वो बर्धवान के लिए निकले। जैसे ही उनका काफिल बर्धवान नॉर्थ के बूथ नंबर 204 के पास पहुंचा कुछ लोगों ने कथित तौर पर काफिल पर पथराव शुरू कर दिया। घटना में दिलीप घोष की सुरक्षा में लगे कुछ जवानों को चोटें भी आई हैं। दिलीप घोष ने कहा है कि कुछ जगहों पर हमारे एजेंट को बैठने नहीं दिया जा रहा है। हमने ऐसी कुछ जगहों पर जबरदस्ती अपने एजेंट लगाए हैं और मैं वहां जब जा रहा हूं तो हम पर पथराव हुआ। मेरे सुरक्षाबलों के साथ मारपीट की गई है। हमारे सुरक्षाबल के सिर पर पर चोट लगी है। जिन मतदान केंद्र में मतदान करने नहीं दिया जा रहा, वहां जब मैं जा रहा हूं तब हिंसा होती है। प्रश्न यह है कि पुलिस कहां है? जानकारी के मुताबिक, दिलीप के साथ मौजूद सुरक्षा गार्ड सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार और कॉन्स्टेबल रामू प्रमुख पर हमला किया गया। सुरक्षागार्ड के सिर में चोटें भी लगी हैं। हमले के बाद घायल सुरक्षाकर्मियों को बर्धवान मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। वहां तक कि काफिले में शामिल सुरक्षा गार्डों की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई। हमले पर दुर्गापुर सीट से टीएमसी उम्मीदवार कीर्ति आजाद ने कहा कि दिलीप घोष कमजोर आदमी हैं। कारों में 40 गुंडों के साथ घूम रहे हैं।

पृष्ठ एक का शेष

बंगाल में हुई ...

में 68.21 प्रतिशत, खरगोन में 70.80 प्रतिशत, मंदसौर में 71.76 प्रतिशत, रतलाम में 70.61 प्रतिशत और उज्जैन में 70.44 प्रतिशत मतदान हुआ। निर्वाचन आयोग के अनुसार उत्तर प्रदेश में शाम पांच बजे तक अकबरपुर में 55.22 प्रतिशत, इटावा में 54.35, उन्नाव में 53.97, कन्नौज में 59.05, कानपुर में 50.91, खीरी में 62.75, धौरहरा में 62.72, फर्रुखाबाद में 56.93, बहराइच में 55.97, मिश्रिख 54.37, शाहजहांपुर में 51.52, सीतापुर में 60.90 और हरदोई में 55.73 फीसद मतदान हुआ। चौथे चरण के तहत 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 130 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। तेलंगाना के भोंगिर लोकसभा सीट पर सबसे अधिक 72.34 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि हैदराबाद संसदीय क्षेत्र में सबसे कम 39.17 प्रतिशत मतदान हुआ।

वाराणसी में पीएम ...

स्वीकार करते रहे। यह देख भाजपा कार्यकर्ता ढोल नगाड़े बजाकर गगनभेदी मोदी-मोदी, नारेबाजी के बीच गुलाब की पंखुड़ियां प्रधानमंत्री पर बरसाते रहे। पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं और नागरिकों का उत्साह देखकर प्रधानमंत्री का काफिला भी धीरे-धीरे आगे बढ़ता रहा। बीएचयू प्रवेश द्वार से ही प्रधानमंत्री के रोड-शो में 500 युवा और 500 मातृशक्ति आगे-आगे चल रहीं थीं। बीएचयू सिंह द्वार से रविदास गेट, अस्सी, शिवाला, मदनपुरा, गोदौलिया होते विश्वनाथ धाम के प्रवेश द्वार संख्या-चार पर पहुंच कर प्रधानमंत्री ने रोड शो का समापन किया। 05 किलोमीटर के दायरे में हुए मेगा रोड शो में लघु भारत और उत्तर प्रदेश की संस्कृति की झलक दिखी। पूरे रास्ते शंखनाद, डमरुओं की निनाद और मंत्रोच्चार के बीच प्रधानमंत्री का स्वागत होता रहा। इसमें बच्चे और युवतियां भी पीछे नहीं रहीं। संकरी सड़क के दोनों छोर पर स्थित मकानों के बारजे और छत से महिलाएं प्रधानमंत्री के उपर पुष्पवर्षा करती रहीं। लोगों का अपनापन देख प्रधानमंत्री आह्लादित दिखे। रोड शो में ढोल-नगाड़े की थाप पर जगह-जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य, लोकगीत गाते बनारस के कलाकार व वैदिक मंत्रोच्चार करते हुए बटुक भी अभिनंदन के लिए डटे रहे। वीवी सुंदरम शास्त्री के नेतृत्व में सोनारपुरा, पांडेय हवेली मार्ग पर महिलाओं ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी। मार्ग में वेदमंत्रों के साथ दक्षिण भारत के शहनाई के रूप में सुमार नादस्र सरम तो बंगाली समाज की धुनकी और ढाक वाद्ययंत्र भी गूंजता रहा। डांडिया और गरबा की भी झलक दिखी। भारतरत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के परिवार के सदस्यों ने मदनपुरा के पास शहनाई वादन से अलग माहौल बनाया। प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए 11 बीट के अन्तर्गत 100 स्वागत प्वाइंट बनाए गए। स्वागत प्वाइंट पर मराठी, गुजराती, बंगाली, माहेश्वरी, मारवाड़ी, तमिल, पंजाबी आदि समाज के लोग अपनी परंपरागत वेशभूषा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पुष्पवर्षा कर स्वागत के लिए डटे रहे। इस दौरान *विकास भी, विरासत भी*, हमार काशी-हमार मोदी के पोस्टर भी लोग उत्साह से लहराते दिखे। प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो में उमड़ी स्वतः स्फूर्त भीड़ के उत्साह के आगे व्यवस्था छोटी पड़ गई। प्रधानमंत्री का काफिला लंका से अस्सी की ओर बढ़ा तो भीड़ को संभालने में पुलिस अफसरों और जवानों के पसीने छूट गए। अस्सी मार्ग पर बैंक ऑफ बड़ौदा के पास भीड़ आगे नहीं जा पा रही थी। बैरिकेडिंग से रास्ता बंद था। यहां हजारों लोग स्वागत मंच के पास जुटे थे। भीड़ के दबाव से बैरिकेडिंग टूट गई। उधर, प्रधानमंत्री के शहर में प्रवास और रोड शो को लेकर काशी विश्वनाथ धाम को भव्य रूप में सजाया गया। सतरंगी बिजली की लतरों से गोदौलिया चौराहे से लेकर काशी विश्वनाथ धाम तक सजाया गया है।

मणिपुर : कांगपोकपी में ...

तैबंगनबा सनौजम और मोइरांगथेम बोबो को रविवार को गिरफ्तार किया गया। अपहृत पुलिसकर्मियों को बचाने और घटना में शामिल अन्य आरोपितों को गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान जारी है। आदिवासी संगठन कमेटी आन ट्राइबल यूनिटी ने चार पुलिसकर्मियों के अपहरण का विरोध जताने के लिए रविवार को कांगपोकपी जिले में 24 घंटे का बंद रखा।

मुंबई में आंधी-तूफान से ...

जिमखाना के पास शाम साढ़े बजे के करीब हुआ। मौके पर तुरंत राहत पहुंचाने के लिए दमकल और पुलिस की टीम को भेजा गया उन्होंने कहा कि इस हादसे में 35 लोग घायल हो गए और 100 से ज्यादा लोग होर्डिंग के बीच फंस गए। अधिकारी ने आगे कहा कि मौके पर एंबुलेंस भी भेजी गई। बीएमसी के आयुक्त भूषण गगरानी ने बताया कि मौके पर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) को भी राहत और बचाव के लिए भेजा गया। बचाव कार्य के दौरान क्रेन और गैस कटर का इस्तेमाल किया गया। मुंबई के घाटकोपर, बांद्रा कुर्ला, धारावी इलाकों में बारिश के साथ तेज हवाएं चलीं। उधर मुंबई हवाई अड्डे पर हवाई सेवाओं का संचालन अस्थाई रूप से रोका गया। हवाईअड्डा प्राधिकरण ने बताया कि तूफान के दौरान 15 उड़ानों में बदलाव किया गया। इसके बाद शाम 5:03 बजे हवाई सेवाओं का संचालन शुरू हो पाया। दरअसल मुंबई हवाई अड्डे पर बीते सप्ताह प्री-मानसून रनवे के रख-रखाव का काम किया गया था। इस वजह से उड़ानों को समय रहते संचालित किया गया। उधर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई, ठाणे और पालघर में तेज बारिश के साथ बिजली गिरने और तूफान की संभावना जताई है। मौसम विभाग का कहना है कि तूफान के साथ साथ कई जगह बिजली भी गिर सकती है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज धूल भरी आंधी चल सकती है।

भारत-ईरान के बीच...

अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से चाबहार बंदरगाह की व्यवहार्यता और दृश्यता पर कई गुना अधिक प्रभाव पड़ेगा। उनके अनुसार, चाबहार न केवल भारत के लिए निकटतम ईरानी बंदरगाह है, बल्कि यह समुद्री दृष्टिकोण से भी एक उत्कृष्ट बंदरगाह है। इस दौरान सोनोवाल ने अपने ईरानी समकक्ष के साथ भी बैठक की। ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित, चाबहार बंदरगाह को भारत और ईरान द्वारा कनेक्टिविटी और व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने के लिए विकसित किया जा रहा है। भारत चाबहार बंदरगाह परियोजना पर जोर दे रहा है ताकि क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा दिया जा सके, खासतौर पर अफगानिस्तान से इसकी कनेक्टिविटी के मामले में यह काफी अहम है। भारत और ईरान ने इस बंदरगाह को आईएनएसटीसी परियोजना के लिए, एक प्रमुख केंद्र के रूप में पेश किया है। आईएनएसटीसी भारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई के लिए 7,200 किलोमीटर लंबी मल्टी-मोड परिवहन परियोजना है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने ईरान के साथ कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर भारत के ध्यान को रेखांकित करते हुए 2024-25 के लिए चाबहार बंदरगाह के लिये 100 करोड़ रुपए आवंटित किए थे। म्यांमार में सितवे बंदरगाह के उद्घाटन के बाद चाबहार बंदरगाह के संचालन का अनुबंध समुद्री क्षेत्र में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। इस अनुबंध के जरिए दोनों देशों का उद्देश्य समुद्री क्षेत्र में चीनी उपस्थिति को बेअसर करना है। बता दें कि सर्वानंद सोनोवाल ने पिछले साल मई में म्यांमार के सितवे बंदरगाह का उद्घाटन किया था। ईरान के चाबहार बंदरगाह को भारत की कनेक्टिविटी पहल के प्रमुख घटक के तौर पर देखा जाता है। यह भारत, अफगानिस्तान, ईरान और मध्य एशिया के बीच व्यापार का छोटा मार्ग प्रदान करेगा। भारत का लक्ष्य सीआईएस (स्वतंत्र देशों का राष्ट्रमंडल) देशों तक पहुंचने के लिए चाबहार बंदरगाह को अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) के तहत आवाजाही का केंद्र बनाना है। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चाबहार बंदरगाह समझौते को लेकर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा कि मेरे कैबिनेट सहयोगी सर्वानंद सोनोवाल आज ईरान जा रहे हैं। भारत और ईरान के बीच दीर्घकालिक समझौता देखने की उम्मीद है। हम यह उम्मीद करते हैं कि बंदरगाह के उस हिस्से से अधिक निवेश और कनेक्टिविटी मिलेगा। यह निश्चित रूप से एक अच्छी दिशा में जा रहा है। आईएनएसटीसी एक बहु-मॉडल परिवहन मार्ग है। यह हिंद महासागर और फारस की खाड़ी को ईरान के जरिए कैस्पियन सागर और रूस के माध्यम से उत्तरी यूरोप से जोड़ता है। इस साल जनवरी में केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने चाबहार बंदरगाह विकास योजना में तेजी लाने के लिए चर्चा की थी। इस बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने ईरान के साथ सहयोग समझौते में रुचि दिखाई थी।

पीओके : पाक पीएम...

संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने को भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डॉन की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में चल रहे विरोध प्रदर्शन और शटडाउन हड़ताल के दौरान हुई हिंसक झड़पों में कम से कम एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई और 90 अन्य घायल हो गए। बता दें कि पीओके बढ़ते बिजली बिलों और करों के खिलाफ गुस्साए लोग लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, भिंबर, मीरपुर और बाग टाउन सहित पीओजेके के विभिन्न हिस्सों में मोबाइल फोन और इंटरनेट सेवाएं निलंबित होने के बाद कई क्षेत्रों में मोबाइल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। इसके अलावा, एएसी के केंद्रीय नेतृत्व ने विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं से खुद को अलग कर लिया है। एएसी सदस्यों ने से एक साजिद जगवाल ने कहा कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वे दो दिन से बैठे हैं और कोई घटना नहीं हुई है। शुक्रवार को मीरपुर में प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और 90 से अधिक लोग घायल हो गए।

भविष्य में कब्जे वाला ...

जयशंकर भाजपा नीत एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों का प्रचार करने मुंबई आए थे। सोमवार को मुंबई में एस. जयशंकर ने पत्रकारों को बताया कि पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार द्वारा किए गए काम लोगों के सामने हैं। मतदाता अनुभव कर रहे हैं कि इस दौरान बुनियादी ढांचे का कितना विकास और प्रगति हुई है। मुफ्त स्वास्थ्य उपचार गृह, मुद्रा ऋण और स्व-वित्तपोषण में बड़ी वृद्धि देखने को मिलेगी। भाजपा मोदी के काम करने और वादों को पूरा करने के वादे पर मतदाताओं का आशीर्वाद मांग रही है। एस. जयशंकर ने कहा कि मतदाताओं को यह सोचना चाहिए कि मुंबई पर आतंकवादी हमले के आरोपित अजमल कसाब को बचाने का काम किसने किया, कौन सी विचारधारा आतंकवादियों के खिलाफ लड़ रही है। जयशंकर ने कहा कि भाजपा की आतंकवाद विरोधी नीति के कारण ही आज आतंकवादी गतिविधियों पर रोक लगी है। भाजपा सरकार ने अनुच्छेद 370 को हटाने का काम किया। परिणामस्वरूप, कश्मीर में सुधार शुरू हो गया है। अब कुछ घटनाएं पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में भी होने लगी हैं। डॉ जयशंकर ने विश्वास व्यक्त किया कि एक दिन यह भी भारत से जुड़ेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने ऐसे फैसले लिए, जिससे उत्पादन में काफी तेजी आई। कई योजनाओं के जरिए व्यापार में वृद्धि हुई है। फिलहाल देश में हर दिन 28 किमी. हाईवे और 14 किमी. रेलवे का निर्माण हो रहा है। दस वर्षों में हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी हो गई। भारत की प्रगति और तकनीक का पूरा पैकेज जनता के सामने है।

कुप्रथाओं के खिलाफ ...

डायन-हत्या को पूरी तरह से मिटाने के लिए अथक प्रयास करती रहीं समाज सुधारक पद्मश्री बीरुबाला राभा के निधन पर शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। दिवंगत बिरुबाला राभा का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कैबिनेट मंत्री चंद्रमोहन पटवारी और जयंत मल्लबरुवा को इसकी व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

जयपुर के 56 स्कूलों ...

कर रही है। प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि यह ई मेल प्रॉक्सी आईडी से भेजा गया है, जिसमें रूसी आईडी होने की बात सामने आई है। धमकी भरे ई-मेल शहर के कुछ नामी स्कूलों को ही भेजे गए थे, लेकिन इसकी सूचना शहर में आग की तरह फैल गई। सूचना मिलने पर अन्य स्कूलों के परेशान परिजनों ने भी स्कूल प्रशासन को फोन करना शुरू कर दिया। स्कूलों में बड़ी संख्या में आ रहे फोन को रिसीव करना मुश्किल हो गया। ऐसे में स्कूल प्रशासन ने व्हाट्सऐप ग्रुप में मैसेज भेजकर परिजनों से चिंतित नहीं होने की अपील करनी पड़ी। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसफ ने बताया कि अभी तक की जांच में किसी भी स्कूल में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। ऐसे में संभवतः यह दहशत फैलाने की साजिश हो सकती है। दिल्ली और जयपुर की स्कूलों को और हवाई अड्डों मिली धमकी के बीच क्या कनेक्शन है। इसकी भी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि जयपुर बम धमाकों की बरसी पर स्कूलों को दहलाने की धमकी मिलना महज एक संयोग है या इसके पीछे कोई सोची समझी साजिश है। पुलिस यह गुत्थी भी सुलझाने में जुटी है। गौरतलब है कि राजधानी में 16 साल पहले 13 मई 2008 को सिलसिलेवार बम धमाकों में 71 लोगों की जान गई थी। जयपुर पुलिस कमिश्नर ने बताया कि ई-मेल के जरिए माहेश्वरी स्कूल एमपीएस तिलक नगर, विद्या आश्रम स्कूल, ओटीएस चौराहा सेंट टेरेसा स्कूल, निवारू रोड महर्षि पीजी कॉलेज, टोंक रोड, सांगानेर एमजीपीएस, विद्याधर नगर मालवीय कान्वेंट स्कूल, मालवीय नगर वरिन एकेडमी, महेश नगर संस्कार स्कूल, वैशाली नगर जयपुरिया स्कूल, बजाज नगर माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर द पैलेस स्कूल, जयश्री पेरीवाल स्कूल, संस्कार स्कूल, महावीर पब्लिक स्कूल, सेंट एंसलम स्कूल समेत करीब 56 स्कूलों को बम से उडाने धमकी दी गई है। स्कूल प्रिंसिपल को धमकी मिलने के बाद स्कूलों में दहशत का माहौल बन गया। वहीं सूचना के बाद तमाम सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। पुलिस और बम निरोधक दस्ता स्कूलों में पहुंचे और स्कूल परिसर में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस, फायर ब्रिगेड, सिविल डिफेंस और बम निरोधक दस्ता भी मौके के पर पहुंचा। स्कूलों से बच्चों को बाहर निकाला दिया गया। हालांकि, कोई भी विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला है। सायबर की टीमों को मेल को डिटेक्ट करने में लगाया गया है। सरकार को इस पूरे घटनाक्रम पर अपडेट करवाया जा रहा है। पैनिक वाली बात सामने नहीं आई है। जांच में सामने आया है कि यह मेल रशियन सर्वर से भेजे गए हैं। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि ई-मेल के जरिए, जयपुर की कई स्कूलों को धमकी दी गई है कि विस्फोटक पदार्थ स्कूलों में रखा गया है। पहला ईमेल सोमवार सुबह करीब 4 भेजा गया था। सभी जगह पर चेकिंग करवाई गई। काफी स्कूलों में चेकिंग पूरी हो गई है। इस दौरान कोई विस्फोटक सामग्री नहीं पाई गई है। पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कौन सी ई-मेल आईडी से धमकी दी गई थी। उन्होंने कहा कि इस तरह का कृत्य करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि जिन स्कूलों में सर्च अभियान चलाया गया, उनमें कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। केवल भय का माहौल पैदा करने के लिए ई-मेल भेजा गया है। आमजन की सुरक्षा-व्यवस्था के लिए पुलिस कटिबद्ध है। स्कूल संचालकों को भी कहा गया है कि स्कूल परिसर में होने वाले आवागमन पर निगरानी रखें। स्कूल संचालक सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग को भी सुरक्षित रखें। जयपुर के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी के मामले को लेकर मुख्य सचिव सुधांश पंत ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई।

बेंगलुरु के अस्पतालों ...

संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। यह एक फर्जी धमकी थी। रविवार को अस्पतालों को भेजे गए ईमेल में दावा किया गया कि मैंने आपकी इमारत में विस्फोटक उपकरण रखे हैं। वे अगले कुछ घंटों में विस्फोट कर देंगे। यह कोई धमकी नहीं है, आपके पास बम को निष्क्रिय करने के लिए कुछ घंटे हैं, अन्यथा निर्दोषों का खून बह जाएगा। इमारत के अंदर के लोग आपके हाथ में होंगे। इसके पहले आज राजस्थान के जयपुर में चार स्कूलों को बम की धमकी मिली। इन स्कूलों के प्रिंसिपल को भी ईमेल के जरिए ही यह धमकी प्राप्त हुई, जिसके बाद हड़कंप मच गया। पुलिस ने छात्रों और स्टाफ सदस्यों को स्कूलों से बाहर निकालकर बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों के साथ छानबीन की। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा कि धमकी ईमेल से दी गई है और एक टीम ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश कर रही है। कुछ दिन पहले दिल्ली-एनसीआर के सैकड़ों स्कूलों में इसी तरह के ई-मेल से हड़कंप मचा था। उसमें भी स्कूलों में बम होने की धमकी दी गई थी। हालांकि, जांच करने के बाद ये धमकी अफवाह साबित हुई थी।

यूक्रेन ने रूस पर ...

बिजली सबस्टेशन क्षतिग्रस्त हो गया। खुफिया सूत्र ने कहा कि रूसी उद्योग जो यूक्रेन के साथ युद्ध छेड़ने के लिए काम करता है, एसबीयू के लिए एक वैध लक्ष्य बना रहेगा। दुश्मन की सैन्य क्षमता को कमजोर करने के उपाय जारी रहेंगे। राष्ट्रपति व्लोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेनी सैनिक दो सीमावर्ती क्षेत्रों में आगे बढ़ रही रूसी सेना के साथ तीव्र लड़ाई में उलझे हुए हैं, जबकि यूक्रेनी गोलाबारी के कारण रूसी अपार्टमेंट की इमारत ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। इससे पहले रूस के विदेश मंत्री ने कहा कि अगर पश्चिम यूक्रेन संघर्ष में युद्ध के मैदान पर लड़ना चाहता है, तो मास्को इसके लिए तैयार है। गत बुधवार को भी रूस ने चेतावनी दी थी कि यदि नाटो यूक्रेन में सैनिक भेजता है तो इसके परिणाम बहुत ही खतरनाक होंगे। रूस ने कहा था कि हम यूक्रेन की मांग को लेकर करीबी नजर रखे हुए हैं। रूस का ये बयान यूक्रेन के राष्ट्रपति की वेबसाइट पर अमेरिका, ब्रिटेन व अन्य देशों से सैनिक भेजने के अनुरोध के बाद आया है।

15 को हजारीबाग ...

करेंगे। इस दौरान लोकसभा प्रभारी शशि भूषण भगत, एनडीए प्रत्याशी मनीष जायसवाल, रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, हजारीबाग जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह भी मौजूद रहेंगे। असम के मुख्यमंत्री गिरिडीह जिले के जमुआ विधानसभा के ब्लॉक मैदान-देवरी में 12:30 बजे से आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान लोकसभा प्रभारी विकास प्रीतम, एनडीए प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी, गिरिडीह जिला अध्यक्ष दुबे, कोडरमा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी, हजारीबाग जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह भी मौजूद रहेंगे। डॉ शर्मा धनबाद जिले के निरसा के चिरकुंडा स्थित श्रम कल्याण केंद्र में 2:30 बजे से आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान लोकसभा प्रभारी सुरेश साहू, एनडीए प्रत्याशी ढुल्लू महतो, धनबाद जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) घनश्याम ग्रोवर, धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय यादव, बोकारो जिला अध्यक्ष जयदेव राय भी मौजूद रहेंगे।

नरेंद्र मोदी को...

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा पूर्वोत्तर राज्यों में तीन चरणों में चुनाव समाप्त होने के बाद पूर्वोत्तर के बाहर उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, बिहार, पंजाब आदि राज्यों में लगातार चुनावी कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे हैं। पार्टी ने उन्हें स्टार प्रचारक बनाया हुआ है। डॉ. शर्मा प्रत्येक दिन दो से तीन चुनावी रैलियों को संबोधित कर रहे हैं। उनकी रैलियों में लोगों की अपार भीड़ जुट रही है।

हत्या के आरोपी दंपत्ति समेत चार गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। छयगांव पुलिस ने हत्या के आरोप में एक दंपत्ति समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा सोमवार को घटना संबंधी दिए गए विवरण के अनुसार छयगांव के टोकराडिया माजपाड़ा में बीती रात हुई युवक की हत्या के आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। स्थानीय लोगों ने रविवार की शाम सड़क किनारे पड़े शव को देखा था। शव छयगांव के हेमंत कलिता (35) नामक युवक का था। छयगांव पुलिस मौके पर पहुंची और शव को थाने ले गई थी। छयगांव के थाना प्रभारी भास्कर मल्ल पटवारी ने इसे एक सुनियोजित हत्या मानकर जांच शुरू की थी। पुलिस के अनुसार यह हत्या प्रेम जनित कारणों के चलते की गई थी। पुलिस ने सैलेन दास और उसकी पत्नी प्रणिता दास को घटना में कथित संलिप्तता के आरोप में टोकरिया-माजपाड़ा गांव से गिरफ्तार कर लिया। शैलेन दास और उनकी पत्नी प्रणिता दास ने हेमंत कलिता की गला घोंटकर हत्या करने और उसे सड़क किनारे फेंकने की बात कबूल की है। इसके अलावा, पुलिस ने बिराज दास और कुमुद दास नामक व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया है, जो घटना में शामिल थे।

केवाईकेएल कैडर गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के निंथौखोंग से कुख्यात केवाईकेएल कैडर को गिरफ्तार कर लिया है। मणिपुर पुलिस ने सोमवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने एक अभियान चलाकर बिष्णुपुर जिले के निंथौखोंग से प्रतिबंधित संगठन केवाईकेएल के एक सदस्य को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कैडर की पहचान असेम नेताजी सिंह उर्फ नेता (40) के रूप में हुई। उसके कब्जे से कंप्यूटर सेट और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। असेम नेताजी आम जनता, सरकारी कर्मचारियों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों से जबरन वसूली के विभिन्न मामलों में शामिल था। उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

एक्जीक्यूटिव इंजीनियर रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय ने सोमवार को गुवाहाटी में उत्तर लखीमपुर सर्कल के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग कार्यालय में एक वरिष्ठ इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार इंजीनियर की पहचान जयंत गोस्वामी के रूप में हुई है। निदेशालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार गोस्वामी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। कार्यकारी अभियंता के रूप में कार्यरत गोस्वामी को एक शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपए की रिश्वत लेने के बाद पकड़ लिया गया। अभियंता ने बिलों के भुगतान को मंजूरी देने के लिए रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता ने एजेंसी से मदद मांगी थी।

कुमारपाड़ा में बोहागी उत्सव का आयोजन

गुवाहाटी। राज्यों के विभिन्न हिस्सों सहित गुवाहाटी में भी बोहाग बिहू का आयोजन विभिन्न स्थानों पर किया जा रहा है। इस अवसर पर कुमारपाड़ा पांचाली में भी हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी *जातीय दिवस उद्यापन मंच* के तत्वधान में *बोहाग उत्सव* का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांस्कृतिक शोभायात्रा के साथ किया गया। जिसमें स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया। तत्पश्चात कॉटन कॉलेज के गणित विभाग के पूर्व अध्यापक डॉ. तारकेश्वर चौधरी ने झंडोत्तोलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात मंच द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साय 7:00 बजे से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें जाने-माने स्थानीय गायक कलाकार जीतुल सोनोवाल एवं उनके सहायक कलाकारों ने अपने गीतों से समां बांध दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन फिल्म अभिनेता निर्देशक मिरल कुद्युस ने किया। इस कार्यक्रम में महानगर के पुलिस आयुक्त दिगंत बोरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस आयोजन को सफल बनाने में मंच के अध्यक्ष अल्ताफ मिर्जा, सचिव राजेंन बोरा, तमन्ना चौधरी, जयकांत बर्मन, दिलीप बोरा, रत्न मणि डेका, कमलजीत भराली, सावित्री साले, राजू शर्मा आदि के अलावा मंच के सभी सदस्य ने अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर कई गणमान्य लोगों के अलावा काफी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे। यह जानकारी मंच की सचिव तमन्ना चौधरी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी गई है।

ड्रग्स समेत महिला तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के भरलुमुख पुलिस थाना क्षेत्र में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की टीम ने आज अभियान चलाकर भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने बताया कि सोमवार को भरलुमुख पुलिस थाना क्षेत्र के भूतनाथ बागान इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान एक महिला ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार महिला ड्रग्स तस्कर की पहचान अफसाना बेगम (29) के रूप में की गई है। गिरफ्तार महिला तस्कर के पास से पुलिस ने एक प्लास्टिक की साबुनदानी और एक बड़े प्लास्टिक के कंटेनर में भरकर रख गए हेरोइन बरामद किया है। बरामद हेरोइन का वजन लगभग 46.5 ग्राम बताया गया है। एसटीएफ ने महिला तस्कर के पास से हेरोइन के अलावा नगद 10, 410 रुपए, दो मोबाइल फोन, 200 प्लास्टिक के छोटे-छोटे खाली सीसी के अलावा अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद किया है। एसटीएफ गिरफ्तार महिला तस्कर को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पति ने की पत्नी की निर्मम हत्या, गिरफ्तार

अगरतला (हिंस)। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि सोमवार को त्रिपुरा के गोमती जिले के उदयपुर में यह हत्या की घटना सामने आई। सोमवार की सुबह परिवार के सदस्यों को मृत महिला निमाता दे (37) का शव उसके घर के अंदर खून से लथपथ पड़ा हुआ मिला। हत्यारे पति की पहचान आशीष दे के रूप में हुई है। वह पान बेचने का काम करता है। उसने दाव से काटकर पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घटना की खबर मिलने पर गोमती जिले के

पुलिस अधीक्षक नमित पाठक के नेतृत्व में त्रिपुरा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और हथियार भी बरामद कर लिया। पुलिस द्वारा की गई जांच से पता चला कि आशीष द्वारा अपनी पत्नी नमिता पर लंबे समय से पर पुरुष से संबंध रखने का संदेह कर रहा था। रविवार देर रात दंपति के बीच तीखी नोकझोंक के बाद यह हत्या हुई। 19 साल से शादीशुदा यह जोड़ा अपने पीछे दो बेटों और एक बेटी को छोड़ गया है। घटना के समय बच्चे घर में मौजूद थे और हिंसा शुरू होने के समय सो रहे थे। अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद आशीष दे ने घटनास्थल से भागने का प्रयास नहीं किया। पुलिस ने तुरंत उसे पकड़ लिया।

वाघमारा चर समाज कल्याण परिषद का रंगाली बिहू कार्यक्रम संपन्न

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत बाघमारा चर गांव का एक अराजनीतिक संगठन रोंगली बिहू के 33वें वार्षिक सत्र के उपलक्ष्य में बाघमारा चर समाज कल्याण परिषद द्वारा आयोजित रंगाली बिहू का समापन कल दो दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ। बाघमारा चर समाज कल्याण परिषद के अध्यक्ष इनामुल हक ने स्थानीय नंबर 998 धारावस्या प्राथमिक विद्यालय मैदान के मरहूम अनवर हुसैन स्मरणीय मंच में परिषद के रंगाली बिहू के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित मुकुली बैठक की अध्यक्षता की। परिषद के सचिव जाहिदुल इस्लाम द्वारा उद्देश्य के बारे में बताया। बैठक का उद्घाटन परिषद के सलाहकार शिक्षक शाहादत अली ने अपने संबोधन में परिषद के जन्म के इतिहास और इसकी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। बैठक में असम राज्य कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सलमान खान ने अपने भाषण में कहा कि चरणांचल के लोगों ने असम के पर्व रंगाली बिहू को गर्व से मनाया है और साबित किया है कि असम शंकर-अजान का देश

है। उन्होंने भाषण में लोगों से अकादमिक क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए हिंदू और मुस्लिम सभी को सौहार्द के साथ आगे बढ़ना होगा। खान ने यह भी कहा कि भारत सरकार इंडिया गटबंधन की होगी और राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे। बैठक में बाघमारा चर ग्राम पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अकलीमा खातून, प्रो अब्दुल वहाब चौधरी, सेवानिवृत्त शिक्षक अब्दुल बारिक, बाघमारा चर सहकारी समिति के पूर्व अध्यक्ष एम मुसूरुद्दीन अहमद, शिक्षक अरफान अली, मिर्जा उस्मान गनी, बाघमारा छात्र संघ के अध्यक्ष जाकिर हुसैन सरकार, सहकारी समिति के सचिव रीपन आली सरकार उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि परिषद के सहायक संपादक जमीर उद्दीन द्वारा संचालित बैठक के अतिथि परिचय समारोह का अंत में आमंत्रित कलाकार उषा कश्यप के गीतों के साथ रात्रि सफलतापूर्वक समापन हुआ।

भारी मात्रा में लकड़ी जब्त

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के तामरहाट कमलाझाड़ इलाके में वन विभाग की टीम ने अभियान चला कर भारी मात्रा में लकड़ी जब्त किया है। वन विभाग ने सोमवार को बताया कि मटेरझाड़ वन विभाग की टीम द्वारा पर्वतझोरा बांसबारी वनांचल में चलाए गए अभियान के दौरान भारी मात्रा में काटकर छुपाए गए साल के पेड़ की लकड़ी को जब्त किया गया। जब्त किए गए लकड़ी को पहाड़ इलके में छुपा कर रखा गया था। बरामद लकड़ी को तस्कर पश्चिम बंगाल और असम के विभिन्न हिस्सों में भेजने की फिराक में थे। जब्त लकड़ी की कीमत दो लाख रुपए से अधिक आंकी गई है। हालांकि, इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। वन विभाग इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बेहतर संरक्षा के लिए पूसीरे अपने बुनियादी संरचनाओं पर निरंतर रख रही निगरानी

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ट्रेन यात्रा को सकुशल और सुरक्षित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह अपने बुनियादी संरचना को उन्नत करने और बरकरार रखने के लिए तकनीकी रूप से उन्नत उपायों को निरंतर लागू कर रही है। आधुनिक संचार प्रणालियों का उपयोग चालकों और संचालकों को दृश्य सूचना प्रदान कर ट्रेन की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए किया जा रहा है। अप्रैल, 2024 के दौरान, पूसीरे ने पूरे जोन के 24 स्टेशनों पर क्लैंप टाइप लॉकिंग के साथ थिक वेब स्विच प्वाइंट मशीनें स्थापित की हैं। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया है कि दक्षता और संरक्षा को और अधिक बढ़ाने के लिए, पूसीरे ने जोन के अधीन कई सेक्शनों पर अपनी मौजूदा सिग्नलिंग प्रणाली में विभिन्न उन्नयन और प्रतिस्थापन किए हैं। अप्रैल, 2024 के दौरान पूसीरे ने बागराकोट और सेवक सेक्शन के बीच इंटरमीडिएट ब्लॉक सिग्नलिंग चालू की है, जिससे सेक्शन की परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी और परिणामस्वरूप अधिक ट्रेनों की आवाजाही होगी। कई संरक्षा उपकरणों की इलेक्ट्रॉनिक मॉनिटरिंग ऑपरेशन के लिए कटिहार मंडल के पावाखाली स्टेशन पर डेटा लॉगर स्थापित कर चालू किए गए हैं। समपार फाटकों पर संरक्षा बढ़ोतरी के लिए रंगिया मंडल में छह समपार फाटकों पर इलेक्ट्रिक लिफ्टिंग बैरियर को बदल दिया गया। तिनसुकिया, लमडिंग, रंगिया और कटिहार मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर 14.715 किमी नए सिग्नलिंग केबल बिछाए गए है। रेलवे परिसंपत्तियों को किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए संरक्षा उपायों के एक हिस्से के रूप में जोन के 10 स्थानों पर ऑटोमेटिक फायर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम चालू की गई है। पूसीरे के 32 समपार फाटकों पर सिस्टम प्रामाणिकता परीक्षण किए गए। सुरक्षा उपकरणों की बेहतर विश्वसनीयता को सुनिश्चित करने के लिए सभी पांच मंडलों में विभिन्न क्षमताओं की कुल 916 सिग्नलिंग बैटरियां भी बदली गईं। रेलवे प्रणाली में बुनियादी संरचनाओं का उन्नयन ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करता है और उसकी विश्वसनीयता और अनुरक्षण सीधे तौर पर रेल संचालन की क्षमता को प्रभावित करता है।

मायुमं कामाख्या शाखा ने मातृदिवस पर 51 वृद्ध माताओं का सम्मान किया

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच, कामाख्या शाखा ने नेमिचंद कौश्यला देवी अग्रवाला फाउंडेशन के सौजन्य से गत 5 मई से 12 मई तक मातृ दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के पहले दिन नालापाड़ा स्थित वृद्ध आश्रम में वृद्ध महिलाओं का सम्मान कर उन्हे भोजन करवाया उनके जरूरत की सामग्री उपहार स्वरूप दी गई। अगले दिन से मारवाड़ी समाज की प्रतिष्ठित 51 वृद्ध माताओं को उनके निवासस्थल पर जा-जा कर उन्हे मातृ सम्मान का स्मृति चिन्ह और असमिया गामोछा से सन्मानित किया। सभी वृद्ध माताओ ने प्रसन्न होकर शुभाशीष दिया। इस कार्यक्रम को सुनियोजित रूप सफल बनाने में फाउंडेशन के संयोजक राकेश अग्रवाला और कामाख्या शाखा की अध्यक्ष स्नेहल बिदासरिया, सह सचिव मीना जैन, कोषाध्यक्ष खुशबू मोर का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम की संयोजिक सुनिता सराफ और सह संयोजिक निष्ठा पौद्दार थी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा सदस्यों का भरपुर सहयोग रहा। यह जानकारी जनसंपर्क अधिकारी अरुणा अग्रवाल ने दी ।

सड़क दुर्घटना में बच्चे समेत 8 घायल

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के गोसाईगांव के हग्राउबाड़ी इलाके में सोमवार को हुई एक सड़क हादसे में बच्चों समेत 8 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बिना नंबर प्लेट का लकड़ी से लदा बोलेरो पिकअप वाहन और यात्रियों को लेकर जा रहे वाहन (एएस-16सी-5380) के बीच आमने-सामने की टक्कर में तीन बच्चों समेत आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों की पहचान अलंबार नार्जारी (25), अनिरुद्ध हाजोवारी (17), रासमीट नार्जारी (80), जेक्शन नार्जारी (2), मिथुन नार्जारी (35), रसना बसुमतारी, दानसंग बसुमतारी (4) और मनजीत इस्लारी (60) के रूप में की गई है।

रंगिया : बैद्यगढ़ महियसी महिला बिहू सम्मेलन आयोजित

रंगिया (विभास)। हरवर्ष की तरह इसबार भी बैद्यगढ़ महियसी महिला बिहू सम्मेलन द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के साथ बिहू का एकदीवसीय आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम रंगिया के पास स्थित तोरोनी आरिमत्तों मिनी स्टेडियम प्रांगन में आयोजित किया जाएगा। सोमवार, 13 मई 2024 को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर महिलाओं व स्थानीय लोगों में काफी उत्साह है। आयोजन समिति की अध्यक्षा शिप्रा दास और सचिव पूर्णिमा डेका ने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत प्रात: 6.00 बजे दुलु भुइयां के परिचालन में सफाई अभियान, सुबह 8.00 बजे समिति की अध्यक्षा शिप्रा दास द्वारा बिहू ध्वजारोहण, सुबह 9.00 बजे निर्णायक कनक चंद्र भुइयां और अमृत कलिता की उपस्थिति में भेक्शन प्रतियोगिता, सुबह 10.00 बजे :परिचालक मंडली नीलिमा लहकर, तूलिका डेका, मीनू राजवंशी, विभा शील, संगीता कलिता और वीना कलिता की उपस्थिति में खेलकूद प्रतियोगिता, सुबह 11.00 बजे: विचारक सबिता पाल, ज्योस्ना कलिता, जयश्री कलिता की उपस्थिति में उरुली

ध्वनि और शंख ध्वनि प्रतियोगिता, दोपहर 12.00 बजे विचारक मंडली रंगिया पौरसभा अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, उपाध्यक्ष बिद्युत डेका सहित पार्षदों की उपस्थिति में पाक कला प्रतियोगिता सहित दोपहर 2.00 बजे से बिहू नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन विचारक मंडली तुलिका कलिता, कबिता दत्त लहकर, पूरोबी डेका, डंडी कलिता, नीलाक्षी लहकर की उपस्थिति में किया जाएगा। इसके साथ ही शाम 5.00 बजे खुला बिहू आयोजित किया जाएगा जिसमें स्थानीय विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता मुख्य अथिति व उद्घाटनकर्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस मौके पर समिति की अध्यक्षा शिप्रा दास और सचिव पूर्णिमा डेका सहित उपाध्यक्ष रीता भुइयां, सहायक सचिव बिनीता दास और नीलिमा लहकर, कोषाध्यक्ष मीनू कलिता, बबीता राजवंशी, रीना कलिता और मीनू राजवंशी, हिसाब परीक्षक मोनिका कलिता और सबिता कलिता और सभी पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम में सभी की सहयोगीता, उपस्थिति एवं मार्गदर्शन की कामना की गई है।

विद्या भारती पूर्वोत्तर का 34वां खेल समारोह संपन्न

गुवाहाटी। विद्या भारती द्वारा प्रतिवर्ष विद्यालय स्तर से अखिल भारतीय स्तर तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से विद्या भारती को मान्यता प्राप्त है। अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं में विजेता खिलाड़ी एसजीएफआई की प्रतियोगिताओं में भाग लेते है। इसी क्रम में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा 34वें खेल समारोह का उद्घाटन डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में किया गया। समारोह के उद्घाटन में मुख्य अतिथि डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जीतेन्द्र हजारिका, विशिष्ट अतिथि विधायक प्रशान्त भूषण एवं स्वर्ण पदक विजेता पूर्व छात्रा अन्वेषा फुकन, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, विद्या भारती उत्तर असम प्रान्त खेल परिषद के अध्यक्ष सुबोध बोरा उपस्थित रहे। क्षेत्रीय खेल प्रमुख रंजित शैकिया ने जानकारी प्रदान करते हुए बताया खेलकूद समारोह के अंतर्गत आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में 198 बालक एवं 165 बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। शंकरदेव शिशु निकेतन चिरिंग चपरी डिब्रूगढ़ में आयोजित दो दिवसीय समारोह में छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी प्रदान की गई। इन खेलकूद

प्रतियोगिताओं में शंकरदेव शिशु विद्या निकेतनों सहित पूर्वोत्तर राज्यों में विद्या भारती द्वारा विभिन्न नामों से संचालित विद्यालयों के खिलाडियों ने भाग लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. परमानन्द सोनोवाल, विशिष्ट अतिथि डॉ. दीपज्योति गोगोई, खेल विभाग डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, विपुल चुतिया, सचिव एथलेटिक्स एसोसिएशन डिब्रूगढ़, प्रदीप भरुका संस्थापक सदस्य भारत विकास परिषद डिब्रूगढ़ उपस्थित रहे।

मातृ दिवस पर सम्मेलन की महिला शाखा ने वरिष्ठ महिलाओं का किया सम्मान

गुवाहाटी (विभास)। मातृ दिवस के उपलक्ष्य में मारवाड़ी सम्मेलन की महिला शाखा के एक प्रतिनिधि मंडल ने अध्यक्ष संतोष शर्मा के नेतृत्व में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की संस्थापक अध्यक्ष प्रेमलता खंडेलवाल तथा दिगंबर जैन महिला समिति की अध्यक्ष रतन प्रभा सेठी को उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सदस्योंओ ने श्रीमती खंडेलवाल को तिलक लगाकर पुष्प वर्षा से उनका अभिनंदन किया एवं मुंह मीठा करने के पश्चात माला व दुपट्टा पहनाया। इसके अलावा प्रतीक चिन्ह, कलम और अन्य उपहार देकर उनसे आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा ने कहा कि जैसे मां परिवार को पालन पोषण करने वाली होती है, वैसे ही प्रेमलता

खंडेलवाल ने भी संस्था का पालन पोषण करके इसे आगे बढ़ाया है। हम भी सभी सदस्याएं उनके पद चिन्हो पर चलती हुई अपनी संस्था का पालन पोषण करेंगे। श्रीमती शर्मा ने आगे कहा कि समाज की बुजुर्ग महिलाओं के साथ आपसी मेल जोल की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए घर-घर जाकर पूरे वर्ष उनको सम्मानित किया जाएगा एवं उनसे आशीर्वाद तथा मार्गदर्शन भी लिया जाएगा। इस अवसर पर भाव विभोर होती हुई प्रेमलता खंडेलवाल ने कहा कि निवास स्थान पर आकर इस तरह से सम्मान करने की परंपरा सराहनीय है। इससे आपसी मेलजोल तो बढ़ता ही है तथा अपनत्व की भावना भी पनपती है। सदस्याओं को भी अपने परिवार को ध्यान में रखते हुए समाज सेवा करनी है और इसके साथ ही राष्ट्र का कल्याण भी करना है। समाज व राष्ट्र के अलावा धर्म के रास्ते पर भी सदस्याओं को चलना है। श्रीमती खंडेलवाल ने सभी सदस्योंओ को पांच-पांच पुस्तक का एक सेट उपहार भी दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष संतोष शर्मा ने भजन सुनाया जिसकी धुन पर सदस्योंओ ने नृत्य भी किया। सभी सदस्योओं ने श्रीमती खंडेलवाल को प्रणाम कर उनसे आशीर्वाद ग्रहण किया। इस कार्यक्रम की संयोजिका निकिता सांखला, बिंदु मोहता, ज्योति शर्मा और शांति कुंडलिया थी। कार्यक्रम में शाखा सलाहकार सरल काबरा, सचिव मंजू भंसाली, सह मंत्री संगीता बड़जात्या, रश्मि जैन, सुमन शर्मा व अन्य सदस्याए उपस्थित थी।

संपादकीय

केजरीवाल की आक्रामकता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीशों का आभार जताना चाहिए कि उन्होंने 'मानवीय' होकर उन्हें अंतरिम जमानत दी। केजरीवाल ने जमानत मांगी ही नहीं थी, लेकिन न्यायाधीशों ने लोकतंत्र के व्यापक संदर्भों में माना कि केजरीवाल चुने हुए मुख्यमंत्री और एक राष्ट्रीय पार्टी के प्रमुख हैं। वह आदतन अपराधी भी नहीं हैं। इससे पहले उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला भी दर्ज नहीं है। केजरीवाल से समाज को कोई खतरा भी नहीं है। चूंकि लोकसभा चुनाव पांच साल के बाद आते हैं, लिहाजा उन्हें जनता के सामने अपना एजेंडा रखने और जनता को वह सुनकर जनादेश का निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। इसके तहत केजरीवाल को एक जून तक, चुनाव प्रचार करने को, अंतरिम जमानत दी जाती है। केजरीवाल के जेल से बाहर आने की यही पृष्ठभूमि है। हालांकि अदालत ने उन पर कई बंदिशें लगाई हैं। दिल्ली के शराब घोटाले के सभी आरोप प्रथमद्रष्ट्या उनके खिलाफ यथावत हैं। केजरीवाल अब भी आरोपित हैं। उन्हें दो जून को तिहाड़ जेल जाना ही होगा। बहरहाल ऐसी किस्मत जेलों में कैद उन 300 के करीब राजनेताओं की नहीं है, जो अपनी-अपनी पार्टी के नेता हैं। आम चुनाव में प्रचार करना उनकी भी अनिवार्यता है। हेमंत सोरेन भी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। उन्हें चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत नहीं दी गई। बहस के दौरान यह तर्क भी न्यायिक पीठ के सामने दिया गया कि चुनाव प्रचार करना कोई मौलिक अधिकार नहीं है। संभवतः किसी भी राजनेता को चुनाव प्रचार करने को जमानत पर जेल से रिहा नहीं किया गया। केजरीवाल पर जो फैसला अदालत का है, वह भी उसका विशेषाधिकार है। बहरहाल केजरीवाल की रिहाई पर आम आदमी पार्टी (आप) जो जश्न मना रही है और तानाशाही पर लोकतंत्र की जीत बता रही है, वह सब बेमानी है, क्योंकि देश में तानाशाही होती, तो केजरीवाल जेल से कभी छूट ही नहीं पाते। राजनीति में सब कुछ जायज है। अपने पहले संबोधन में ही केजरीवाल ने यहां तक भ्रम और अफवाह फैला दी कि प्रधानमंत्री मोदी अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट मांग रहे हैं। तो मोदी की गारंटी का क्या होगा? प्रधानमंत्री मोदी सितंबर, 2025 में 75 साल के हो जाएंगे। उन्होंने ही 2014 में सत्तारूढ़ होने के बाद यह नियम घोषित किया था कि 75 साल और उससे अधिक उम्र के नेता चुनाव नहीं लड़ सकेंगे और न ही किसी पद पर आसीन होंगे। यह एक नैतिक व्यवस्था बनाई गई थी, अलबत्ता भाजपा के संविधान में कोई संशोधन नहीं किया गया। भाजपा में 75 प्लस के 17 सांसद अब भी हैं और 80 साल से अधिक वाले 2 सांसद हैं। केजरीवाल 'पतंगबाजी' में माहिर हैं और उन्होंने गप्पी राजनीति कर कुछ हासिल करने की कोशिश की, लेकिन गृहमंत्री अमित शाह ने उसे ध्वस्त कर दिया और हैदराबाद में सार्वजनिक तौर पर स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी अपना तीसरा कार्यकाल भी पूरा करेंगे। भाजपा में किसी 'छाया और छद्म प्रधानमंत्री' की कोई व्यवस्था नहीं है। दिलचस्प है कि केजरीवाल का आकलन है कि भाजपा की 220-230 सीटें आ सकती हैं, जबकि राहुल गांधी 150 और 180 के बीच झूलते रहते हैं। यदि 2025 में भी प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी की बात कही जा रही है, तो स्पष्ट है कि सीटें कितनी भी हों, लेकिन सरकार भाजपा-एनडीए की बनने जा रही है। ऐसा केजरीवाल के अलावा विपक्ष के कई नेताओं के आकलन हैं। एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भविष्यवाणी की है कि कांग्रेस 50 से भी कम सीट तक सिमट जाएगी और लोकसभा में उनका 'नेता प्रतिपक्ष' भी चुना नहीं जा सकेगा। बहरहाल जनादेश के आंकड़ों को 4 जून पर छोड़ देना चाहिए। अभी तक विपक्ष के एक भी दल ने यह घोषित नहीं किया है कि उन्हें कितनी सीटें मिलेंगी, अलबत्ता यह लिख कर देने को तैयार हैं कि अगला प्रधानमंत्री मोदी नहीं होगा। क्षमा करें, यह भाषा विपक्ष के बड़े नेता की है, जो जनसभाओं के दौरान सुनी जाती रही है। केजरीवाल की 'पतंगबाजी' यह भी है कि चुनाव नतीजे के दो माह बाद उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी निपटा दिया जाएगा। प्रधानमंत्री एक खतरनाक मिशन पर काम कर रहे हैं-'एक देश, एक ही नेता।' लिहाजा साफ है कि जेल से बाहर आते ही केजरीवाल आक्रामक दिख रहे हैं।

केजरीवाल ने जमानत मांगी ही नहीं थी, लेकिन न्यायाधीशों ने लोकतंत्र के व्यापक संदर्भों में माना कि केजरीवाल चुने हुए मुख्यमंत्री और एक राष्ट्रीय पार्टी के प्रमुख हैं। वह आदतन अपराधी भी नहीं हैं। इससे पहले उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला भी दर्ज नहीं है। केजरीवाल से समाज को कोई खतरा भी नहीं है। चूंकि लोकसभा चुनाव पांच साल के बाद आते हैं, लिहाजा उन्हें जनता के सामने अपना एजेंडा रखने और जनता को वह सुनकर जनादेश का निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। इसके तहत केजरीवाल को एक जून तक, चुनाव प्रचार करने को, अंतरिम जमानत दी जाती है। केजरीवाल के जेल से बाहर आने की यही पृष्ठभूमि है। हालांकि अदालत ने उन पर कई बंदिशें लगाई हैं। दिल्ली के शराब घोटाले के सभी आरोप प्रथमद्रष्ट्या उनके खिलाफ यथावत हैं। केजरीवाल अब भी आरोपित हैं। उन्हें दो जून को तिहाड़ जेल जाना ही होगा। बहरहाल ऐसी किस्मत जेलों में कैद उन 300 के करीब राजनेताओं की नहीं है, जो अपनी-अपनी पार्टी के नेता हैं।

भारत में गरीबी 2015-2016 के मुकाबले 2019-2021 के दौरान 25 फीसदी से घटकर 15 फीसदी आ गई

भारत में डिजिटलीकरण की अभूतपूर्व भूमिका

डा. जयंतीलाल भंडारी

पिछले दिनों भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहे फ्रांसिस ने कहा कि जब से वे भारत से लौटे हैं, उनके मन में अतुल्य भारत की डिजिटल उपलब्धि के बारे में दुनिया को बताने के विचार बार-बार आ रहे हैं। उन्होंने भारत में महसूस किया है कि सिर्फ एक हैंडसेट और डिजिटलीकरण मॉडल के उपयोग से लाखों लोगों को औपचारिक आर्थिक प्रणाली में लाने के लिए भारत के डिजिटलीकरण कार्यक्रम की अभूतपूर्व भूमिका है। उन्होंने कहा कि जहां डिजिटलीकरण से भारत में वित्तीय समावेशन में मदद मिल रही है, वहीं डिजिटलीकरण लागत को कम करने, अर्थव्यवस्था को अधिक कुशल बनाने और सेवाओं को सस्ता करने में भी प्रभावी योगदान दे रहा है।

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा कि भारत में गरीबी घटाने में डिजिटलीकरण की अहम भूमिका है। पिछले दिनों भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहे फ्रांसिस ने कहा कि जब से वे भारत से लौटे हैं, उनके मन में अतुल्य भारत की डिजिटल उपलब्धि के बारे में दुनिया को बताने के विचार बार-बार आ रहे हैं। उन्होंने भारत में महसूस किया है कि सिर्फ एक हैंडसेट और डिजिटलीकरण मॉडल के उपयोग से लाखों लोगों को औपचारिक आर्थिक प्रणाली में लाने के लिए भारत के डिजिटलीकरण कार्यक्रम की अभूतपूर्व भूमिका है। उन्होंने कहा कि जहां डिजिटलीकरण से भारत में वित्तीय समावेशन में मदद मिल रही है, वहीं डिजिटलीकरण लागत को कम करने, अर्थव्यवस्था को अधिक कुशल बनाने और सेवाओं को सस्ता करने में भी प्रभावी योगदान दे रहा है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिल रही है। ये सब भारत से ऐसे डिजिटल सबक हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ साझा किया जा सकता है। गौरतलब है कि पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में भी कहा गया है कि भारत में गरीबी 2015-2016 के मुकाबले 2019-2021 के दौरान 25 फीसदी से घटकर 15 फीसदी आ गई है। इसमें डिजिटलीकरण की भी अहम भूमिका है। इतना ही नहीं, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) सहित दुनिया के विभिन्न सामाजिक सुरक्षा के वैश्विक संगठनों के द्वारा भारत में बहुआयामी गरीबी घटाने के मद्देनजर भारत में लागू डिजिटल व्यवस्था की जोरदार सराहना की गई है। आईएमएफ के द्वारा प्रकाशित रिसर्च पेपर में यह भी कहा गया है कि सरकार के प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को दिए जा रहे मुफ्त खाद्यान्न ने गरीबों पर मार को कम करने में अहम भूमिका निभाई है और इससे अत्यधिक गरीबी में भी कमी आई है। यह भी उल्लेखनीय है कि नीति आयोग की तरफ से वैश्विक मान्यता के मापदंडों पर आधारित जो बहुआयामी गरीबी इंडेक्स (एमपीआई) दस्तावेज जारी किया गया है, उसमें कहा गया है कि पिछले नौ वर्षों में भारत में करीब 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी के दायरे से बाहर आ गए हैं, लेकिन अभी भी भारत में करीब 15 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी का सामना कर

रहे हैं। इस दस्तावेज के मुताबिक सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं और देश में आम आदमी तक पहुंची डिजिटल सुविधाओं ने बहुआयामी गरीबी कम करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। निःसंदेह गरीबी को घटाने और आम आदमी के लाभों से जुड़ा भारत का डिजिटल विकास वैश्विक मंच पर चमक रहा है। 50 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को जनधन खातों के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया है। डिजिटलीकरण ने भारत की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में और आधार ने लीकेज को कम करते हुए लाभार्थियों को भुगतान के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर-डीबीटी) में मदद की है। इन्फोसिस के सह संस्थापक और चेयरमैन नंदन नीलेकणी का भी कहना है कि भारत ने अपने अनोखे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और नई डिजिटल पूंजी के सहारे पिछले 10 साल में वह कर दिखाया जो पारंपरिक तरीके से काम करने में पांच दशक लग जाते। भारत में वर्ष 2014 से लागू की गई डीबीटी योजना एक वरदान की तरह दिखाई दे रही है। भारत ने पिछले एक दशक में मजबूत डिजिटल ढांचे से डिजिटलीकरण में एक लंबा सफर तय कर लिया है, जिससे आम आदमी सहित पूरी अर्थव्यवस्था लाभान्वित हो रही है। यदि हम हाल ही में प्रकाशित कुछ अन्य प्रमुख वैश्विक आर्थिक रिपोर्टों को देखें तो पाते हैं कि उनकी अध्ययन रिपोर्टों में दुनिया में तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रही भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल अर्थव्यवस्था को भारत की नई शक्ति बताया गया है। इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशंस (इक्रियर) और वैश्विक उपभोक्ता इंटरनेट समूह प्रोसस की रिपोर्ट में कहा गया है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की वैश्विक रैंकिंग में अब भारत अमरीका और चीन के बाद दुनिया के तीसरे नंबर का सबसे बड़ा देश बन गया है। इक्रियर के द्वारा डिजिटल अर्थव्यवस्था पर हुई यह स्टडी कनेक्ट, हार्नेस, इनोवेट, प्रोटेक्ट और सस्टेन जैसे पांच महत्वपूर्ण पैरामीटर्स पर आधारित है। इन पैरामीटर्स पर भारत ने 39.1 स्कोर किया है, जबकि पहले क्रम पर स्थित अमरीका ने 65.1 और दूसरे क्रम पर स्थित चीन ने 62.3 स्कोर किया है। भारत के बाद ब्रिटेन चौथे और जर्मनी पांचवें क्रम पर है। इस रिपोर्ट को जारी करते हुए नैसकॉम के अध्यक्ष देबजानी घोष ने कहा कि दुनिया अभी भी वास्तव में नहीं समझ पाई है कि प्रौद्योगिकी ने आम आदमी से लेकर सभी वर्गों के भारतीयों के दैनिक जीवन में खुद को कैसे शामिल कर लिया है, जो वास्तविक डिजिटल अर्थव्यवस्था है। एक उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत ने डिजिटल युग में छलांग लगा दी है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इंटरनेट नेटवर्क वाला देश है। इसी प्रकार रिजर्व बैंक गर्वनर शक्तिकांत दास ने कहा कि डिजिटल भुगतान में भारत विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर है। बीते वर्ष 2023 में देश में कुल डिजिटल भुगतान यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की हिस्सेदारी बढकर 80 फीसदी के करीब पहुंच गई है। यूपीआई लेन-देन की संख्या महज छह साल में 273 गुना बढ़ी है। वर्ष 2017 में 43 करोड़ यूपीआई लेन-देन हुए थे, वर्ष 2023 में इनकी संख्या बढकर 11761 करोड़ हो गई। निःसंदेह भारत में यूपीआई ने भुगतान क्षेत्र में क्रांति ला दी है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारत में डिजिटल प्रौद्योगिकी को न केवल युवा अपना रहे हैं, बल्कि बुजुर्ग और गरीब वर्ग के लोग भी इसमें पीछे नहीं हैं। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान, भारत को सार्वजनिक सेवाओं की बड़े पैमाने पर डिलीवरी के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के चैंपियन के रूप में मान्यता दी गई थी। छोटे उद्योग-कारोबार के लिए सरल ऋण और रोजगार सृजन आम आदमी के बीमा और अन्य जनकल्याण योजनाओं के लिए डिजिटल ढांचे का सफल उपयोग किया जा रहा है। इससे समाज के करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। हम उम्मीद करें कि सरकार अभी भी देश में गरीब वर्ग के 15 करोड़ से अधिक लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर लाने के लिए गरीबों तक डिजिटलीकरण की सरल पहुंच सुनिश्चित करेगी। डिजिटल आधारित भारत की नई दुनिया में सौ फीसदी विश्वसनीयता बनाए रखने हेतु रणनीतिक प्रयत्न सुनिश्चित किए जाएंगे।

दृष्टि कोण

घोषणापत्रों में गोवंश आश्रय का मसला नदारद

'कसमें वादे प्यार वफा सब बातें हैं बातों का क्या'। सन्-1967 की ब्लाक्बस्टर फिल्म 'उपकार' के लिए मशहूर गीतकार 'इंदीवर' द्वारा लिखा गया यह नगमा मुल्क की सियासत पर सटीक बैठता है क्योंकि इंतखाबी तश्हीर के दौरान लोगों से किए गए सियासी वादे अक्सर अंजाम तक नहीं पहुंचते। इक्तदार हासिल होने के बाद प्रजातंत्र के कई अहम मुद्दे सियासी बंदरबाट का शिकार हो जाते हैं। चिरस्थाई हो चुके देश के कुछ मुद्दों का समाधान निकालने में सियासी व्यवस्था विफल रही है तथा भविष्य में समाधान निकलने की उम्मीद भी नहीं की जा सकती। हमारे सियासी रहनुमां देश को विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने के दावे करते हैं। आत्मनिर्भर भारत का नारा बुलंद किया जाता है। कर्ज के बोझ तले डूब चुके किसानों को कृषि कर्ज के विकल्प के तौर पर प्राकृतिक कृषि का मश्विरा पेश किया जाता है। स्वस्थ जीवनशैली के लिए गौ आधारित प्राकृतिक कृषि उत्पादों को अपनाने की सलाह दी जाती है। किसानों की आमदनी बढ़ाने के दावे भी किए जाते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि कृषि अर्थतंत्र को गुलजार करने की सलाहियत रखने वाला गोवंश बेसहारा होकर आश्रय को मोहताज है। हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में आयोजित होने वाले ग्रीष्मोत्सव व नलवाड़ मेलों का शुभारंभ बैल पूजन से होता है। शिव मंदिरों की चौखट पर शीश नवाने के साथ लोग मनोकामना के लिए अक्सर भगवान शिव के नंदी की मूर्ति के आगे विशेष तौर से नतमस्तक होते हैं, मगर इसे आधुनिकता का खुमार कहें या विलायती तहजीब का अंदाज! सदियों से मुल्क के कृषि क्षेत्र को आबाद करने वाले भगवान शंकर के वास्तविक नंदी तथा अनादिकाल से भारतवर्ष के हर घर-आंगन की शोभा रहा गौधन सडक़ों पर विचरण करके सितम व क्रूरता का शिकार हो रहे हैं। मगर देश में विदेशी नस्ल के कुत्ते पालने का प्रचलन जोर पकड़ चुका है। हिंदोस्तान की सियासत में दशकों पूर्व गाय,

बैल व किसान चुनावी चिन्ह के रूप में कुछ सियासी दलों के परचम पर भी चस्पां थे। मगर हालात इस कदर गंभीर हैं कि किसान तथा गोवंश अपने हकूक के लिए एक मुद्दत से सडक़ों पर फरियादी बनकर जद्दोजहद कर रहे हैं। गोवंश के हक के लिए सियासी तौर भी आवाज बुलंद होती रही है। लावारिस गौवंश का मुद्दा पिछले कई चुनावों में सुर्खियों में रहा है। बेसहारा पशु समस्या के समाधान के लिए सियासी रहनुमां लोगों को कई मर्तबा मुतमईन कर चुके हैं, मगर मौजूदा चुनावों में 'गौमाता' गुमनाम है। चुनावी घोषणापत्रों में बेसहारा गौधन को आश्रय देने का मुद्दा नदारद है। निराश्रित गोवंश को पंचायतों द्वारा आश्रय देने के वादे भी कागजों में सिमट गए। बेसहारा पशुओं का जमावड़ा राहगीरों के लिए भी परेशानी का सबब बन चुका है। जंगली जानवरों का कहर तथा बेरुखे मौसम की मार के साथ कृषि भूमि में लावारिस पशुओं की चहलकदमी से परेशान होकर कृषक वर्ग कृषि व्यवसाय से तौबा करने को मजबूर है। सडक़ों पर कयाम बना चुका गोवंश दुर्घटनाओं को दावत दे रहा है। तेज रफ्तार वाले वाहनों की चपेट में आने से गोवंश हादसों का शिकार हो रहा है। हादसों से बचाव के लिए बेसहारा पशुओं के गले में रेडियम के पट्टे भी बांधे गए। विशेष पंजीकरण पशुओं की टैनिंग भी की जाती है ताकि पशुओं के मालिक की शिनाख्त कायम रहे, मगर सडक़ों पर गोवंश के समूह तस्दीक करते हैं कि बेसहारा पशु समस्या के समाधान के लिए धरातल पर कोई भी हिकमत कामयाब नहीं हुई। पशुपालन व्यवसाय में विश्व में शीर्ष पर काबिज भारत गोवंश को लावारिस छोडऩे के मामले में भी विश्व में पहले पायदान पर काबिज है। वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा दूध उत्पादन करने वाला देश भी भारत ही है। मगर देश की जनसंख्या के मद्देनजर दूध की खपत उत्पादन से लगभग चार गुना अधिक है। उत्पादन व खपत के बीच एक बड़ा अंतर होने से मिलावटखोरी का कारोबार जोरों पर चलता है। विश्व में सर्वोत्तम नस्ल का भारतीय स्वदेशी गौधन अपनी उत्तम दुग्ध गुणवत्ता के लिए विश्वविख्यात है। इसी कारण दुनिया के कई देशों में भारतीय स्वदेशी नस्ल के गोवंश की मांग रहती है। हैरत की बात है कि उत्तम दुग्ध गुणवत्ता वाले जिस स्वदेशी गौधन के संरक्षण के प्रयास हो रहे हैं, वो स्वदेशी नस्ल की गऊएं भी लावारिस होकर सडक़ों पर भटक रही हैं। भारतीय संस्कृति में गौपालन व्यवसाय का प्रचलन प्राचीन काल से चला आ रहा है। आस्था का प्रतीक रहे गौधन को आश्रय देना पारंपरिक रिवायत रही है। रोजमर्रा की कई बुनियादी जरूरतें सदियों से गोवंश पर ही निर्भर रही हैं।

कुछ अलग

रोजगारों की कब्रगाह बनतीं कंपनियां, अतीत से सुनें वर्तमान की धड़कन

नौकरी चाहने वालों के सपनों में जो कंपनियां बसती हैं, उनमें नौकरी करने वालों के सबसे बुरे सपने हकीकत बन गए हैं। गूगल ने एकमुश्त 1,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। कहते हैं कि यह तो बड़ी छंटनी की शुरुआत भर है। टेस्ला वाले एलन मस्क करीब 6,000 कर्मचारियों को निकाल कर भारत आते हुए चीन पहुंच गए। बीते साल उन्होंने ट्वीटर (अब एक्स) के 4,000 लोग निकाले थे। मेटा वाले जुकरबर्ग ने बीते साल 11,000 लोगों को बेरोजगार किया। तकनीकी कारोबारों में रोजगारों का कत्लेआम मचा है। तकनीक की दुनिया के छोटे-बड़े सितारे कर्मचारियों को ऐसे निकाल रहे हैं, मानो प्रलय आ गई हो। इस साल ही दिग्गज तकनीकी कंपनियों में करीब 75,000 लोगों की नौकरी चली गई है। भारत में भी स्टार्ट-अप कंपनियां रोजगारों की कब्रगाह बन गई हैं। बायजूस, चार्जबी, ओला, मीशो, कार 24, लीड, अनएकेडमी, ब्रेनली... रोजगारों को सूली पर चढ़ाने वालों की सूची बढ़ती जा रही है। पूरी दुनिया के लोग मास ले-ऑफ की विपत्ति से वाकिफ हो चुके हैं। सामूहिक छंटनी को यह अभागा नाम अमेरिका में मिला था, जहां करीब 40 साल पहले तक इतने बड़े पैमाने पर एक साथ रोजगार खत्म नहीं किए जाते थे। तो रोजगारों का यह संहार आया कैसे? आइए, टाइम मशीन का कंडक्टर बुला रहा है, इंजन चालू है, सीट पकड़िए, उड़ चलते हैं अतीत में। हम 1940 के दशक में पहुंच गए हैं। 1930 की महामंदी के बाद बेरोजगारी अमेरिका का सबसे बड़ा राजनीतिक खौफ बन चुकी थी। दूसरे विश्वयुद्ध के साथ अमेरिका में युद्ध संबंधी उत्पादन 40 फीसदी बढ़ गया। नई तकनीकें, नए रोजगार आए हैं, तो मंदी का दारिद्र्य दूर हो रहा है। इस कामयाबी से अमेरिकी नीति-निर्माताओं को महसूस हुआ कि सरकारी दखल से अर्थव्यवस्था की कायापलट हो सकती है। अमेरिकी अखबारों की सुर्खियां आपकी सीट के सामने की स्क्रीन पर तैर रही हैं। यह खबर फुल इंप्लायमेंट विधेयक के मसौदे की है और वक्त है 1945 का। पूर्ण रोजगार की सरकारी गारंटी देने के लिए कानून बनाने की तैयारी दुनिया ने इससे पहले कभी नहीं सुनी थी। इस विधेयक की प्रस्तावना में लिखा है कि अमेरिका के वे सभी लोग, जो स्कूलिंग पूरी कर चुके हैं और कोई घरेलू काम नहीं कर रहे हैं, अमेरिका की फेडरल सरकार इस कानून के तहत उन्हें अच्छे रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी। याद दिला दें कि स्टीफन केम्प बेली ने इस कानून पर एक किताब लिखी थी-कांग्रेस मेक्स ए लॉः द स्टोरी बिहाइंड द इंप्लायमेंट ऐक्ट ऑफ 1946। यह किताब राजनीतिक क्लासिक की गिनती में आती है। वैसे मसौदे से कानून तक आते-आते कई बदलाव हुए। रोजगार का वादा उतना दो टूक नहीं रहा, जितना मसौदे में था। कानून यह कहता था कि राज्यों और उद्योगों की मदद से अधिकतम रोजगार दिए जाएंगे और जनता की क्रयशक्ति (पर्चेजिंग पावर) बढ़ाई जाएगी। 20वीं सदी के आठ दशकों तक दुनिया के बाजारों को सामूहिक छंटनी यानी मास ले-ऑफ नाम की बला के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। अब टाइम मशीन 1980 में आ गई है। व्हाइट हाउस में रोनाल्ड रीगन विराज रहे हैं। उनकी नई आर्थिक नीति और निजीकरण की मदद से अमेरिका का कॉरपोरेट क्षेत्र तेजी से उभर रहा है। एयरलाइन बाजार में एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स महत्वपूर्ण बन गए हैं। यही तकनीकी लोग आकाश से जमीन तक विमानों की आवाजाही संभालते हैं।

देश दुनीया से

पर्याप्त सुविधाओं के अभाव से प्रभावित होती बालिका शिक्षा

आज़ादी के बाद 1951 की पहली जनगणना में जहां देश में साक्षरता की कुल दर महज़ 18 ।33 प्रतिशत थी वहीं 60 वर्षों बाद 2011 में यह बढ़कर 74 प्रतिशत से अधिक हो गई। लेकिन इस सुखद आंकड़ों के साथ सिक्के का एक दूसरा पहलू यह है कि अभी भी किशोरियों विशेषकर दूर दराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों की किशोरियों के सामने शिक्षा प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती है। अभी भी हमारे देश में कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां महिलाओं की साक्षरता दर बेहद कम है। जहां मुश्किल से लड़कियां 12वीं तक भी शिक्षा प्राप्त कर पाती हैं। ऐसा ही एक गांव राजस्थान के अलवर जिला स्थित शादीपुर है। जहां आज भी महिलाओं में साक्षरता की दर दहाई के आंकड़े को भी पार नहीं कर सका है।

हाल ही में आईसीएसई समेत विभिन्न राज्यों के दसवीं और बारहवीं के परिणाम घोषित हुए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने उम्मीद से कहीं अधिक बढ़कर प्रदर्शन किया है। यह आंकड़े बताते हैं कि यदि अवसर और सुविधाएं प्रदान किये जाएं तो लड़कियां भी किसी भी परिणाम को अपने पक्ष में करने की भरपूर सलाहियत रखती हैं। दरअसल आज़ादी के बाद हमारे देश में चाहे केंद्र की सरकार हो, या राज्य की सरकारें, सभी ने जिन बुनियादी सुविधाओं के विकास पर सबसे अधिक फोकस किया उसमें शिक्षा भी एक अहम विषय था। शहर से लेकर गांव और अमीर से लेकर गरीब तक के सभी बच्चों को समान रूप से शिक्षा प्राप्त हो इसके लिए कई स्तर पर योजनाएं तैयार की गई। बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंच को आसान बनाने पर ज़ोर दिया गया, गरीब के बच्चों की शिक्षा में कोई बाधा न आये इसके लिए अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था की गई, किताब-कॉपियां और स्कूल ड्रेस मुफ्त उपलब्ध कराये जाने लगे।

सरकार की इस पहल का बहुत सकारात्मक परिणाम भी नज़र आने लगा। आज़ादी के बाद 1951 की पहली जनगणना में जहां देश में साक्षरता की कुल दर महज़ 18 ।33 प्रतिशत थी वहीं 60 वर्षों बाद 2011 में यह बढ़कर 74 प्रतिशत से अधिक हो गई। लेकिन इस सुखद आंकड़ों के साथ सिक्के का एक दूसरा पहलू यह है कि अभी भी किशोरियों विशेषकर दूर दराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों की किशोरियों के सामने शिक्षा प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती है। अभी भी हमारे देश में कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां महिलाओं की साक्षरता दर बेहद कम है। जहां मुश्किल से लड़कियां 12वीं तक भी शिक्षा प्राप्त कर पाती हैं। ऐसा ही एक गांव राजस्थान के अलवर जिला स्थित शादीपुर है। जहां आज भी महिलाओं में साक्षरता की दर दहाई के आंकड़े को भी पार नहीं कर सका है। इस गांव में बालिका शिक्षा के प्रति जहां समाज में उदासीनता है वहीं शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की योजनाएं भी दम तोड़ती नज़र आती है। अलवर जिला से करीब 67 किमी और तिजारा तहसील से लगभग 20 किमी की दूरी पर आबाद इस गांव की जनसंख्या 300 के आसपास है। इसमें महिलाओं की जनसंख्या करीब 48 प्रतिशत है। मुस्लिम बहुल इस गांव में 2011 की जनगणना के अनुसार कुल साक्षरता की दर 18 प्रतिशत से भी कम है। पुरुषों में जहां साक्षरता की दर करीब 30 प्रतिशत है वहीं महिलाओं में यहां साक्षरता की दर पांच प्रतिशत से भी कम है। जो न केवल चिंता का विषय है बल्कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने वाले हमारे आंकड़ों पर भी प्रश्न चिन्ह लगाता है। इतना ही नहीं गांव में न तो कोई पंचायत घर है, न आंगनबाड़ी और न ही सार्वजानिक शौचालय की कोई सुविधा उपलब्ध है। गांव वालों के रोज़गार का मुख्य साधन पशुपालन, दैनिक मज़दूरी, थ्रेसर मशीन चलाना, ट्रक ड्राइवर का काम करना और कुछ परिवार की अपनी ज़मीन है जिस पर वह खेती करते हैं। महिलाएं घर के काम के साथ साथ खेती के काम में भी पुरुषों का हाथ बटाती हैं। गांव में पक्की सड़क का अभाव होने के कारण आवागमन की सुविधा भी सुलभ नहीं है। गांव में बालिका शिक्षा की चिंताजनक स्थिति के बारे में 35 वर्षीय अब्बास बताते हैं कि गांव में केवल 8वीं तक ही स्कूल है। इससे आगे की शिक्षा प्राप्त करने के लिए लड़कियों को 10 किमी दूर अन्य गांव में जाना पड़ेगा। लेकिन आवागमन की सुविधाओं का अभाव, लड़कियों के साथ होने वाले छेड़छाड़ का डर और बालिका शिक्षा के प्रति समाज की सीमित सोच के कारण अभिभावक लड़कियों को इतनी दूर भेजने से इंकार कर देते हैं। जिससे चाह कर भी कोई लड़की 9वीं या 10वीं की शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाती है। वह बताते हैं कि गांव में 8वीं तक जो सरकारी विद्यालय संचालित हैं उनमें भी सुविधाओं का घोर अभाव है। प्रधानाध्यापक सहित केवल 4 शिक्षकों के भरोसे यह पूरा स्कूल चल रहा है। इसके अतिरिक्त स्कूल में न तो पीने के साफ़ पानी की व्यवस्था है और न ही छात्र-छात्राओं के लिए शौचालय की उचित व्यवस्था है। नाम नहीं बताने की शर्त पर एक छात्रा की मां बताती है कि उनकी बेटी कई बार स्कूल में सुविधाओं की कमी की शिकायत कर चुकी है। लेकिन वह आर्थिक रूप से इतनी सशक्त नहीं हैं कि अपनी बेटी का एडमिशन गांव से बाहर या किसी निजी शिक्षण संस्थान में करा सकें। वह बताती है कि स्कूल में कोई महिला शिक्षिका के नहीं होने से लड़कियों को अक्सर माहवारी के दौरान समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसीलिए माहवारी के दिनों में गाँव की लड़कियां स्कूल जाना बंद कर देती हैं। जिससे वह धीरे धीरे शिक्षा में पिछड़ती चली जाती हैं। 8वीं के बाद की शिक्षा के लिए दूसरे गाँव जाने के प्रश्न पर एक अन्य महिला कहती हैं कि "हमें अपनी लड़कियों की सुरक्षा की चिंता होती है।

आप का नजरीया

मुलथान का मलबा

हम अपनी छवि के ढेर पर हिमाचल की कलाकृतियों में तरक्की देख रहे हैं और उधर व्यवस्था के रिसाव में जान खतरे में है। पुनः एक मानवीय घटना के दुराचार ने अशांत कर दिया और जीवन के संघर्ष में विकास की आपाधापी ने निराश किया। जरा पूछिए मुलथान के बाजार से गुजरती आहों से कि यह सुलूक किसने किया या इस बेमौसमी बाढ़ में वहां कौन-कौन दफन हुआ। लंबाडग विद्युत परियोजना से जुड़े सारे सुरक्षा कवच उस दिन क्यों बहे और क्यों नियमों की बाहें मरोडक़र कोई सरेआम दौलत कूट कर सरगना साबित हुआ। विद्युत परियोजना के सिंहासन पर आसीन इच्छाएं जिस रिसाव को नजरअंदाज करती रहीं, वही अंततः इस विध्वंस का कारक बनी। ऐसे में पूछने से पहले यह सोचना होगा कि इस विकास की महिफल में जो लूट मची है, उसके बीच हमारी छवि, हमारा मुकद्दर और हमारा भविष्य खतरे में क्यों है। कभी सोचना कि बीबीएन में बनी दवाई जब फेल होती है, तब तरक्की का एक पूरा कारवां असफल होता है। नौबत यहां तक कि विश्वसनीयता के मानदंड में मरीज के हलक में बीबीएन में बनी अधिकांश दवाइयां अटक रही हैं। हम इसे रूटीन का वक्तव्य मान लें या नजरअंदाज करके उस गिरोह में शरीक हो जाएं जो हिमाचल की छवि को खराब कर रहा है। हमारे विकास के रथ पर सवार नवनिर्माण, अधोसंरचना या आर्थिक तरक्की की रीढ़ अगर इसी तरह के हादसों की दास्तान बन गई, तो हमारा विनाश तय है। कभी भरी बरसात में हमारे डंगों पर चढ़ा विकास, नदियों को लूटते खनन और जलापूर्ति परियोजनाओं के ढीले सुर जब टूटते हैं, तो हमारी अपनी ही आस्तीन में छुपे सांप बाहर निकल आते हैं। हम कभी सत्ता में व्यस्त हैं, तो कभी चुनाव के मुहानों पर बंटे हैं। हमें अपनी औलाद के लिए सरकार से सिर्फ दरख्वास्त करनी है-फरमाइश करनी है। हमारे घर में मुफ्त में बहता जल और सस्ती बिजली की खपत चाहिए। मुलथान परियोजना में बिजली अधिक थी या पानी का इस्तेमाल गलत था, जो मौके पर 48 दुकानों, 32 घरों और साथ लगती खेती को मलबे की तहों में लपेट गया। एक पेन स्टॉक अगर विद्युत परियोजना का अहम पुर्जा है, तो यह बार-बार क्यों बिखर रहा है। हम विद्युत राज्य की सौगंध खाते हैं, मगर अनुमतियों के दस्तावेज और उत्पादन की खेप कहीं धोखा दे देती है। क्या ऐसी परियोजनाओं के वार्षिक निरीक्षण और परिवेश की मर्यादा में सुरक्षा की संगत पैदा नहीं हुई। आखिर हिमाचली विकास, भौगोलिक क्षरण, प्राकृतिक आपदा व मौसम के खतरों के बीच हमारे आपातकालीन कदम हैं क्या जो मुलथान का मलबा दनदनाता रहा और कुछ घंटों तक प्रशासन को कानों-कान खबर न हुई। लेटलतीफी जो हर हादसे के बाद अपना बचाव करती है, वही पुनः मलबे के बीच दिखाई दे गई। अंगभंग माहौल की तश्तरी में मुलथान का नसीब एक हाइड्रो प्रोजेक्ट ने नहीं बिगाड़ा, बल्कि दोष उन हस्ताक्षरों का है जो तरक्की के बीच चांदी के कटोरे में चरित्र को गुम कर चुके हैं। बच जाती विकास की घंटियां, अगर परियोजना के लाभ में स्वार्थ के पल शिरकत न करते। शिकायतों के गुंबद खड़े करके जो शोहरत बटोर रहा था, वह कातिल मुलथान के मलबे का हकदार है। बेडियां किसे पहनाएं। क्या मलबे में व्यवस्था के नासूर खोजे जाएंगे।

मुस्लिम महिलाएं बोलीं, प्रधानमंत्री मोदी हैं हमारे मुक्तिदाता

पीएम मोदी के स्वागत में मुस्लिम महिलाओं ने बैंड बाजे की धुन पर निकाला धन्यवाद मार्च

वाराणसी (हिंस)। बनारस के कई रंग हैं, इसका नजारा सोमवार को नगरी में सुबह से ही दिख रहा है। हर कोई अपने सांसद और प्रधानमंत्री के रोड शो और नामांकन जुलूस में शामिल होने के लिए तैयार है। रोड शो में शामिल होने के लिए आ रहे प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए मुस्लिम महिलाओं ने मुस्लिम महिला फाउंडेशन के बैनर तले पूरी तैयारी की है। विशाल भारत संस्थान एवं मुस्लिम महिला फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने सिगरा स्थित शास्त्री पार्क में बैंड बाजे के साथ धन्यवाद मार्च निकाला। सबके हाथ में मोदी के पोस्टर थे। जिस पर लिखा था- धन्यवाद मोदी जी, आपके दुश्मनों को शिकस्त मिले, अल्लाह आपकी हिफाजत करे। फाउंडेशन की जिलाध्यक्ष खुर्शीदा बेगम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हमारे मुक्तिदाता है। हम सुरक्षित हैं, आजादी की सांस ले रहे हैं। अब तलाक देकर घर से निकाले जाने का भय नहीं है। इसका श्रेय सिर्फ मोदी को है। उन्होंने कहा कि बनारस के मुसलमान मोदी को धन्यवाद इसलिये दे रहे हैं क्योंकि

प्रधानमंत्री ने बनारस को अंतर्राष्ट्रीय पटल पर ला दिया है। सबसे बड़ी मुसीबत बीमारी में आयुष्मान कार्ड का सहारा दिया। मुस्लिम बेटियों को तीन तलाक से मुक्ति दिलाई है। लोग सड़क, बिजली, पानी के लिए तरस जाते थे, अब चमकती सड़कों पर गाड़ियां दौड़ रही हैं। बनारस के पर्यटन बढ़ने से लोगों के रोजगार में 300 प्रतिशत इजाफा हुआ। भारत के प्रधानमंत्री के रूप में बनारस आने का रिकार्ड बनाया। यही वजह है कि बनारसी मुसलमान नरेंद्र मोदी को रिकार्ड मतों से चुनाव जीताना चाहते हैं। मुसलमानों ने मोदी की जीत और हिफाजत के लिए अल्लाह से दुआ मांगी है। मुस्लिम धर्मगुरु अफसर बाबा ने कहा कि आज मोदी जहां से चाहते वहां से चुनाव लड़कर जीत सकते थे, लेकिन तीसरी बार भी बनारस से ही लड़ने आ रहे हैं। उन्होंने पूरी दुनियां में हमारी इज्जत बढ़ाई है। हम भी उनका साथ नहीं छोड़ेंगे। दंगा खत्म, नफरत खत्म और डर खत्म तो अब क्या चाहिए। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजीव ने कहा कि अब तो मुद्दत हो गई रेडियो पर यह सुने कि सावधान, लावारिस वस्तुएं न छुए, बम हो सकता है। अब बम रखने वालों को जहन्नुम पहुंचा दिया गया, कहां गए वोट। मोदी और मुसलमानों के बीच की दीवार को बनारस ने गिरा दिया है। बनारस ने मुसलमानों और मोदी के सम्बन्ध को मजबूत बना दिया है, जो अटूट है। मार्च में मौलाना जाहिद, इकबाल कसवी, मुस्ताक, बबलू, कलीम, खुर्शीदा, गुलबाग, सितारा बेगम, अनस, अब्दुल रहमान, फैसल, नूर मोहम्मद, ताहिर, मुन्ना खान, अर्सलन, सुल्तान, इरफान, अयान, रज्जब आदि ने भागीदारी की।

जयपुर के नामी स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में सोमवार को उस समय हड़कंच मच गया जब शहर के एक दर्जन नामी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की जानकारी सामने आई। यह धमकी स्कूलों की ऑफिशियल आईडी पर भेजी गई है। इसकी सूचना पर पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। पुलिस सहित बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचा और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। ई-मेल भेजने वाले की पहचान की कोशिश जा रही है। हालांकि पुलिस की अब तक की जांच में कोई बमनुमा चीज तक नहीं मिली है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि राजधानी जयपुर के नामी माहेश्वरी स्कूल तिलकनगर, विद्या आश्रम स्कूल, ओटीएस चौराहा, सेंट टेरेसा स्कूल, निवारू रोड, महर्षि पीजी कॉलेज, टोंक रोड, सांगानेर एमजीपीएस, विद्याधर नगर मालवीय कॉन्वेंट स्कूल, मालवीय नगर वॉरेन एकेडमी, महेश नगर संस्कार स्कूल, वैशाली नगर जयपुरिया स्कूल, बजाज नगर माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर, द पैलेस स्कूल, जय श्री पेड़िवाल स्कूल, चित्रकूट में सोमवार को बम से उड़ाने का धमकी भरा ईमेल भेजा गया है। धमकी मिलने के बाद बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड के साथ पुलिस टीमें स्कूलों में पहुंची। छात्रों और स्टाफ को स्कूल परिसर से बाहर निकाल कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश कर रही है। गौरतलब है कि जयपुर बम धमाकों की आज 17वीं बरसी है। आज ही के दिन 13 मई 2008 की शाम शहर के परकोटा क्षेत्र में सिलसिलेवार तरीके से आतंकियों ने दो मंदिरों सहित छह जगहों पर आठ बम धमाके किए थे। इन धमाकों ने 71 लोगों की जान चली गई थी और 181 लोग जख्मी हुए थे।

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने किया मतदान

सरायकेला (हिंस)। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने सोमवार को सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत पैतृक गांव झिलिंगगोडा के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मतदान संख्या 220 में मताधिकार का प्रयोग किया। उनके साथ पत्नी मनको सोरेन, बेटे सिमल सोरेन और बबलू सोरेन समेत दोनों बहू भी मौजूद थीं। मतदान केंद्र पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों का अभिवादन किया। मताधिकार का प्रयोग करने के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में राज्यवासियों से लोकतंत्र के महापर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी ने चलाया जनसंपर्क अभियान

रांची (हिंस)। रांची लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने सोमवार को रांची के विभिन्न मोहल्ले में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस क्रम में उन्होंने मोहल्ले की महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों से मिलकर संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए इंडिया गठबंधन के पक्ष में मतदान करने की अपील की। जनसंपर्क अभियान के दौरान प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के साथ उनके पिता और रांची के पूर्व सांसद सुबोध कांत सहाय भी साथ में उपस्थित थे। कई जगहों पर महिलाओं ने सहाय का माला पहनाकर स्वागत किया।

ढोल बजाकर एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कुलपति के खिलाफ किया प्रदर्शन

भागलपुर (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का विश्वविद्यालय में फैले शैक्षणिक अराजकता, भ्रष्टाचार एवं कुलपति के छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ लगातार कुलपति भगाओ विश्वविद्यालय बचाओ आंदोलन जारी है। इसी कड़ी में सोमवार को एबीवीपी कार्यकर्ताओं और छात्रों ने बजेगा ढोल खुलेगा कुलपति का पोल आंदोलन के तहत बीएन महाविद्यालय इकाई में जमकर नारेबाजी किया। इस दौरान छात्रों ने कुलपति के खिलाफ ढोल बजाकर कुलपति के कई पोल खोले। वहीं बीएन कॉलेज के बाद टीएनबी महाविद्यालय इकाई में फिर मारवाड़ी महाविद्यालय इकाई में उसके बाद तिलकामांझी विश्वविद्यालय में प्रदर्शन किया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा यह प्रदर्शन कई दिनों से किया जा रहा है। लेकिन आज का यह प्रदर्शन काफी अनोखा था। प्रदर्शन कर रहे एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कहा कि विरोध प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधि सुचारू रूप से व्याप्त हो। छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए नियम में तब्दीली की जाए।

प्रियंका ने याद दिलाया तो राहुल ने कही *मन की बात*

रायबरेली (हिंस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जहां भी जाते हैं, एक सवाल उनका पीछा नहीं छोड़ता। रायबरेली के चुनावी दौरे पर भी यह सवाल छाया रहा और आज पब्लिक के बीच से ही उनकी *शादी* को लेकर सवाल हुए। पहले तो राहुल ने इस सवाल को इग्नोर किया, लेकिन प्रियंका के याद दिलाने पर अपने मन की बात कही। दरअसल, राहुल गांधी आज रायबरेली में चुनावी दौरे पर थे। वह महराजगंज में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। जैसे ही उन्होंने अपना संबोधन समाप्त किया। पब्लिक के बीच से किसी ने एक सवाल उछाला कि राहुल जी शादी कब करेंगें ? पहले तो राहुल गांधी ने इसे इग्नोर कर चलने लगे, लेकिन साथ में ही मंच शेयर कर रहीं प्रियंका ने उन्हें याद दिलाया कि *पहले सवाल का जबाब तो देते जाओ*। जिसके बाद राहुल फिर पब्लिक से मुखातिब होते हुए पूछा कि आप का सवाल क्या था। उधर से शादी की बात पूछने पर राहुल गांधी ने कहा कि अब तो जल्द ही शादी करनी पड़ेगी। यह सुनकर प्रियंका सहित मंच पर मौजूद नेता भी हंसने लगे। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी आज नामांकन के बाद पहली बार अपने निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने आज कई जनसभाओं को संबोधित किया। वह जहां रायबरेली से अपने रिश्ते की बात कर रहे हैं, वहीं मोदी सरकार पर भी जमकर हमलावर हैं। पहली चुनावी दौरे पर उनके साथ लगातार प्रियंका गांधी हैं और उनके प्रचार कार्यक्रमों पर नजर बनाए हुए हैं। प्रियंका और राहुल गांधी की परस्पर केमेस्ट्री और पब्लिक कनेक्ट चर्चा का विषय बनी हुई है।

चार जिलों के सरकारी दफ्तरों में प्रत्येक कार्मिक के नाम से लगेगा पौधा

बीकानेर (हिंस)। संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने नवाचार करते हुए संभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने-अपने ऑफिस में एक-एक गमला लगाने और इसकी नियमित देखभाल करने के निर्देश दिए हैं। संभागीय आयुक्त कार्यालय में इसकी शुरुआत लगभग एक माह पूर्व हो चुकी है और यहां संभागीय आयुक्त सहित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के नाम से गमले लगाकर इन पर संबंधित अधिकारी कर्मचारी की नाम पट्टिका भी लगाई गई है। प्रत्येक पौधे का रखरखाव संबधित कार्मिक द्वारा नियमित रूप से किया जाता है। संभागीय आयुक्त ने बताया कि इसका उद्देश्य है कि कार्मिकों को ऑफिस के प्रति लगाव हो और पर्यावरण संरक्षण में उनका योगदान हो सके। इससे कार्यालयों की खूबसूरती में भी इजाफा होगा। उन्होंने बताया कि अब तक खनिज, कॉलोनाइजेशन और पीडब्ल्यूडी जैसे विभागों ने यह पहल कर दी है और कार्मिकों के नाम से गमले लगा दिए हैं। अब सभी विभागों को इसके लिए निर्देशित किया गया है। सोमवार को आयोजित संभाग स्तरीय बैठक में भी अधिकारियों को यह निर्देश निचले स्तर तक पहुंचाने के लिए कहा गया है।

हिरण शिकार प्रकरण : सलमान मंदिर पर आकर शपथ लेकर मांगे माफी

जोधपुर (हिंस)। जोधपुर के वर्ष 1998 से बहुचर्चित सलमान हिरण शिकार मामले में आरोपित फिल्म अभिनेता सलमान खान की दोस्त सोमी अली द्वारा बिश्नोई समाज से माफी मांगने के बाद अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बूड़िया का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि 27 साल पुराने मामले में बिश्नोई समाज सलमान खान को माफ कर सकता है बशर्ते वह मंदिर पर आकर शपथ लेकर माफी मांगे। वह पर्यावरण एव वन्य जीवों की सुरक्षा को लेकर शपथ लेगा तो विश्नोई समाज उसे माफी भी कर सकता है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रबुद्धजन आपस में बैठकर यह निर्णय ले सकते हैं कि सलमान को माफ किया जा सकता है या नहीं। अगर सलमान खान मंदिर में आकर खुद माफी मांग तो बात बनेगी। सोमीअली के माफी मायने नहीं रखती है, इससे पहले भी सार्वजनिक माफी मांगी गई थी।

चुनाव में सोशल अपील ने ले ली मान-मनौव्वल और चिरौरी की जगह

अयोध्या (हिंस)। जमाना बदला, वोट मांगने का तौर तरीका भी एक दम अलहदा हो गया। ज्यादा नहीं दो-ढाई दशक पहले से अब में चुनाव प्रचार का तरीका एकदम उलट हो गया है। फैजाबाद लोकसभा सीट के मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम घुरेहटा निवासी 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला गायत्री देवी बताती हैं कि पहले चुनाव में बड़ा हल्ला गुल्ला होता था। लोग माइक लगाकर जीप से प्रचार करते थे, जीप के पीछे बच्चे सरपट दौड़ लगाते थे। बच्चों को दौड़ता देख जीप में बैठे पार्टी कार्यकर्ता कुछ पर्चे, बिल्ले फेंक देते थे। अब यह सब गुजरे जमाने की चीज हो गई। अब तो सोशल साइट्स पर अपील की जा रही है। टीवी में प्रचार आ रहे हैं। आखिरी तक पता ही नहीं लग पाता कि कौन किस पार्टी से उम्मीदवार है। बस इतना पता चलता है कि यह मोदी योगी की पार्टी का है, वह अखिलेश वाला है, फलाने हाथ के पंजे से खड़े हैं। हाथी वाले उम्मीदवार का फला नाम है। लेकिन हम जैसे आम मतदाताओं को किसी उम्मीदवार की प्रोफाइल नहीं पता है। पहले के जमाने में चुनाव

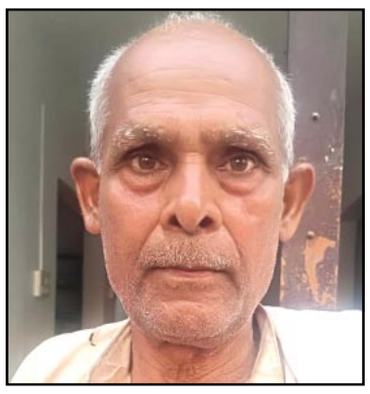

के दरम्यान गांव गिराव में रौनक होती थी, शाम को गांव के कुएं की जगत पर चुनावी चौपालें सजती थीं लेकिन अब सब कुछ बदल गया है। अब प्रत्याशी किस जाति, धर्म और दल का उम्मीदवार है। बस इतना ही काफी है। समाज में उसकी छवि और काम काज करने के तौर-तरीके कैसे हैं, इसको नहीं देखा जा रहा है। बुजुर्ग मतदाता गायत्री बतातीं है कि पहले गांव के कोई सामाजिक व्यक्ति आते थे, दरवाजे की कुंडी खड़काते हुए कहते थे, काकी बाहर निकलो वोट वाले ए हैं, हम बाहर आकर उनका परिचय जानते थे, गुड़ चबैना से स्वागत करते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। वहीं ग्राम सोहवल सलोनी पूरे शुक्ल निवासी 70 वर्षीय अर्जुन प्रसाद शुक्ल बताते हैं कि तीन दशक पहले के चुनाव में और अब के चुनाव में जमीन आसमान जैसा अंतर आ गया है। कहते हैं कि पहले गांव गांव में आकर लोग अपने नेता की खूबी बताते थे। प्रत्याशी जब गांव आकर अपने पूर्वजों की पहचान बता कर फिर अपने बारे में बताते थे। लोगों के बात समझ में आ जाती तो वोट के लिए हां बोल देते और फिर चाहे जो आता और दूसरे किसी को वोट नहीं देते थे, लेकिन अब तो नेताओं की तरह रातोंरात हमारे वोट की प्राथमिकताएं भी बदलने लगी हैं। अब उम्मीदवार की जाति और धर्म को देखकर वोट दिया जा रहा है। उसकी पढ़ाई लिखाई और सामाजिक कार्यों की पड़ताल करने वाला कोई नहीं है। इसी तरह से ग्राम पलिया लोहानी के 77 वर्षीय रंजीत शर्मा बताते हैं कि ढाई दशक पहले तक चुनाव के दरम्यान साप्ताहिक बाजारों के दिन सभी पार्टियां गाड़ियों पर लाउडस्पीकर व झंडे लगाकर बाजारों में पहुंच जाती थी और एक दूसरे की तरफ लाउडस्पीकर का मुंह करके घंटों भाषण व नारेबाजी की जाती थी। लेकिन अब पता ही नहीं चलता कब पर्चा दाखिल हुआ और कब वोटिंग शुरू हो गई। वहीं पिड़ोरा निवासी 60 वर्षीय सुरेश गोस्वामी बताते हैं कि पहले चुनाव में हल्ला गाड़ियां बनवाई जाती थी, उन्हें पोस्टर और झंडों से सजाया जाता था। पार्टी के झंडे के कलर में पूरी गाड़ी रंगी जाती थी। गाड़ी में बैठे लोग हारमोनियम एवं ढोल मंजीरे के साथ उम्मीदवार के समर्थन में कजरी, कहरौआ, सोहर इत्यादि गाने गाते हुए वोट मांगते थे लेकिन अब ऐसा कुछ भी नहीं है। चुनावी मौसम में गजब का हो-हल्ला और शोरगुल तथा चहल-पहल रहती थी। कहते हैं कि पहले सामाजिक कार्यकर्ता को चंदा लगाकर चुनाव लड़ाया जाता था, अब तो पार्टियों से टिकट खरीदने पड़ते हैं। यही वजह है कि आपराधिक इतिहास वाले उम्मीदवार के लिए राजनीति सबसे मुफीद जगह हो गई है।

लोस : सांसद अफजाल अंसारी ने बेटी नुसरत के साथ किया नामांकन

गाजीपुर (हिंस)। गाजीपुर लोकसभा चुनाव में सोमवार को बसपा सांसद अफजाल अंसारी ने समाजवादी पार्टी प्रत्याशी के तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके साथ ही उनकी बेटी नुसरत अंसारी ने भी नामांकन दाखिल किया। कड़ी सुरक्षा के बीच नामांकन पत्र दाखिल करने पहुंचे अफजाल असारी के वाहन चालक के रूप में गत दिनों दिवंगत हो चुके उनके छोटे भाई मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी रहे। अफजाल अंसारी नामांकन करने पहुंचे उस समय उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में लगी पूर्व सांसद सरजू पांडे की मूर्ति पर नमन किया। उन्होंने कहाकि सरजू पांडेय मेरे राजनीतिक गुरु रहे हैं। कम्युनिस्ट पार्टी से गाजीपुर के सांसद रहे सरजू पांडेय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं में शुमार रहे। जिन्होंने अफजाल अंसारी को अपनी पहल पर 1985 में विधानसभा का चुनाव लडवाकर विधायक बनाया था। नामांकन दाखिल करने के बाद अफजाल अंसारी ने मीडिया को बताया कि सपा प्रत्याशी के रूप में हमने दो सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया है। उन्होंने कहाकि इंडिया गठबंधन भारी बहुमत की तरफ बढ़ रही है। भाजपा के खिलाफ जनमानस

में काफी आक्रोश है। हमारा चुनाव गाजीपुर की जनता लड़ रही है। नामांकन के समय पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सिंह, विधायक वीरेंद्र यादव, विधायक जैकिशन साहू, जिलाध्यक्ष गोपाल यादव, पूर्व विधायक उमाशंकर कुशवाहा, मुन्नन यादव, कांग्रेस नेता मारकंडेय सिंह, विधायक मन्नू अंसारी, सपा नेता पारसनाथ यादव, उमर अंसारी आदि लोग मौजूद थे। मुकदमे में सजा न हो जाए इसलिए अफजाल अंसारी ने भरवारा बेटी का नामांकन गौरतलब हो कि अफजाल अंसारी पर पूर्व में गैंगस्टर का मुकदमा चल रहा है। जिसमें उन्हें गाजीपुर न्यायालय द्वारा 4 साल की सजा सुनाई गई। जिसको लेकर बीच में उनकी सदस्यता भी कुछ दिनों के लिए समाप्त हो गई थी। उनके द्वारा हाई कोर्ट में अपील की गई।

अखिल भारतीय संत सम्मेलन : किशन भारती महाराज को पीर की पदवी से सम्मानित किया

बालोतरा (हिंस)। जिले के खरंटिया मठ में जूना अखाड़े के अखिल भारतीय संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। मठ के महंत तथा जोगेंद्र पीर की परंपरा के पीर किशन भारती महाराज को पीर की पदवी से सम्मानित किया गया। दरअसल, खरंटिया मठ में चार दिवसीय संत सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस दिन ऊर्द्धवाम्नाय श्रीकाशी सुमेरु पीठाधीश्वर अनन्त विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानन्द सरस्वती महाराज, जूना अखाड़े के अंतर्राष्ट्रीय संरक्षक एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज, जूना अखाड़ा के वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय सभापति अध्यक्ष महंत प्रेम गिरि महाराज व श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिंदू यूनाइटिड फ्रंट के अध्यक्ष महंत नारायण गिरि महाराज ने पीर किशन भारती महाराज को सिंहासन, छत्र व छडी देकर पीर की पदवी से सम्मानित किया। उनका अभिषेक व पूजन भी किया गया। देश भर से आए साधु-संतों ने पीर किशन भारती को सिंहासन, छत्र व छड़ी देकर पीर की पदवी से सम्मानित किया

आम का पैदावार कम होने से किसान परेशान

भागलपुर (हिंस)। भागलपुरी जर्दालू और मालदा आम को पसंद करने वालों के लिए बुरी खबर यह है कि इस बार आम की पैदावार काफी कम हुई है। मौसम की बेरुखी से भागलपुर जिले के किसान इस बार परेशान हैं। बारिश समय पर नहीं होने से इस बार आम की पैदावार काफी प्रभावित हुआ है। आम के फसलों को काफी नुकसान होता दिख रहा है। यहां के किसान मौसम की बेरुखी से परेशान नजर आ रहे हैं। यहां के किसान कर्ज लेकर अपने बगीचे में जनवरी माह से ही तैयारी में जुट जाते हैं, क्योंकि आम के फसल से पहले पेड़ में मंजर होता है। उसके बाद फिर आम का फसल होता है लेकिन इस बार आम के पेड़ में मंजर काफी कम आया है। रही सही कसर मौसम ने पूरी कर दी है।

बेहतर लीची उत्पादन करने वाले किसान होंगे सम्मानित

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले में लीचीपुरम उत्सव की तैयारी जोरों पर है। इसी कड़ी में सोमवार को आयोजन समिति की एक बैठक समिति के संरक्षक सत्यदेव राय आर्य के आवास पर संपन्न हुई। इसमें निर्णय लिया गया कि लीचीपुरम उत्सव समिति उत्कृष्ट लीची के उत्पादन करने वाले किसानों को सम्मानित करेगी। इसके लिए कार्यक्रम से पूर्व एक समारोह करके किसानों के लीची की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसके बाद उनका चयन किया जाएगा। समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जिले की सभी जनप्रतिनिधियों को इसमें आमंत्रित किया जाए साथ ही कोई अगर समाज सेवा के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहा है तो उससे भी मंच से सम्मानित किया जाए। समिति के सदस्यों ने इस बात पर गंभीरता से विचार किया कि लोकसभा चुनाव के कारण कुछ कठिनाइयां है सामने आ रही है लेकिन सभी एकजुट होकर उसका सामना करते हुए एक आला दर्जे का कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इस बार लीचीपुरम उत्सव का आयोजन चुनाव परिणाम के बाद हो रहा है, इसलिए इसमें जिले के प्रशासनिक पदाधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगाद्ध इस अवसर पर सदस्यों के बीच कार्यक्रम से जुड़े विभागों का अविलंब बंटवारा कर देने का निर्णय लिया गया। अगली बैठक में टीम बनाकर सभी को अपने-अपने कार्य आवंटित कर दिए जाएंगे। बैठक में सत्यदेव राय आर्य, सुदिष्ट नारायण ठाकुर, मुखिया राकेश पाठक, बीके वीरेंद्र, हामिद रजा, भूषण कुशवाहा, विनोद कुमार दुबे, मनोज मिली, शंकर कुशवाहा, मनोज कुमार, कृत नारायण कुशवाहा, मंजय चौरसिया, आकाश गौरव, संजय कुमार सिंह, ओम प्रकाश, शफी अहमद खान सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

2023-24 में भारत-चीन के बीच 118.4 अरब डॉलर का व्यापार, द्विपक्षीय कारोबार में चीन ने अमेरिका को पछाड़ा

नई दिल्ली ।
भारत के साथ वित्त वर्ष 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार के मामले में चीन ने अमेरिका की पीछे छोड़ दिया है। इस अवधि में भारत और चीन के बीच कुल 118.4 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। वहीं, अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार 118.3 अरब डॉलर रहा। 2021-22 और 2022-23 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार अमेरिका रहा था।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के आंकड़ों के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में चीन को भारत का निर्यात 8.7 फीसदी बढ़कर 16.67 अरब डॉलर पहुंच गया। लौह अयस्क, सूती धागा/कपड़े/मेडअप, हथकरघा, मसाले, फल-सब्जियां, प्लास्टिक और लिनोलियम जैसे क्षेत्रों में भारत का निर्यात बढ़ा है। वहीं, पड़ोसी देश से भारत का आयात 3.24 फीसदी बढ़कर 101.7 अरब डॉलर पहुंच गया। दूसरी ओर, अमेरिका को 2023-24 के दौरान भारत से निर्यात 1.32 फीसदी घटकर 77.5 अरब डॉलर रह गया। अमेरिका से भारत का आयात करीब 20 फीसदी घटकर 40.8 अरब डॉलर रह गया।

चीन 2013-14 से 2017-18 तक व 2020-21 में भी भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार था। इससे पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) देश का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था।

चीन से85.09 अरब डॉलर का व्यापार घाटा

जीटीआरआई ने कहा, 2018-19 से 2023-24 के दौरान शीर्ष-15 भागीदारों के साथ भारत के व्यापार में काफी बदलाव आया है। इससे न सिर्फ आयात और निर्यात प्रभावित हुआ है बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार अधिशेष एवं घाटे की स्थिति भी बदली है। इस अवधि में चीन को निर्यात में 0.6 फीसदी की मामूली गिरावट रही, जबकि आयात 44.7 फीसदी बढ़कर 101.75 अरब डॉलर पहुंच गया। आयात में वृद्धि से व्यापार घाटा 2018-19 के 53.57 अरब डॉलर से बढ़कर 85.09 अरब डॉलर पहुंच गया। इसके विपरीत, इस अवधि में अमेरिका के साथ व्यापार में वृद्धि देखी गई। अमेरिका को निर्यात 52.41 अरब डॉलर से 47.9 फीसदी बढ़कर 77.52 अरब डॉलर पहुंच गया। अमेरिका से आयात भी 14.7 फीसदी बढ़कर 40.78 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे भारत का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष 16.86 अरब डॉलर से बढ़कर 36.74 अरब डॉलर पहुंच गया।

न्यूज ब्रीफ

पैकेज्ड फूड के लेबल पर गलत जानकारी हो सकती है: आईसीएमआर ने चेताया- शुगर फ्री प्रोडक्ट्स में हो सकता है ज्यादा फैट, फ्रूट जूस में महज 10 प्रतिशत फल

नई दिल्ली। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानी आईसीएमआर ने कहा है कि पैकेज्ड फूड पर लगे लेबल के दावे भ्रामक हो सकते हैं। साथ ही हेल्थ रिसर्च बॉडी आईसीएमआर ने यह भी कहा कि कंज्यूमर्स को पैकेज्ड फूड पर दी गई जानकारी को ध्यान से पढ़ना चाहिए, ताकि उन्हें जानकारी हो और वे अपने लिए हेल्दी फूड चुन सकें। फैट से भरे हो सकते हैं शुगर-फ्री फूड्स आईसीएमआर ने कहा कि कई प्रोडक्ट जो शुगर-फ्री होने का दावा करते हैं, असल में उनमें फैट यानी वसा की मात्रा ज्यादा हो सकती है। जबकि पैक्ड फ्रूट जूस में केवल 10 प्रतिशत ही फ्रूट पल्प होता है। हाल ही में जारी गाइडलाइंस में आईसीएमआर ने कहा कि पैकेज्ड फूड पर हेल्थ क्लेम्स सिर्फ कंज्यूमर्स का ध्यान खींचने और उन्हें यह बताने के लिए डिजाइन किए जाते हैं कि प्रोडक्ट हेल्दी है। लेबल पर दी गई जानकारी हो सकती है भ्रामक आईसीएमआर के तहत हैदराबाद बेस्ड नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन ने भारतीयों के लिए डाइटरी गाइडलाइन जारी की है। एनआईएन ने कहा, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सख्त मानदंड हैं, लेकिन लेबल पर दी गई जानकारी भ्रामक हो सकती है। कुछ उदाहरण देते हुए एनआईएन ने कहा कि किसी फूड प्रोडक्ट को नेचुरल कहा जा सकता है, यदि इसमें एडेड कलर्स, फ्लेवर्स और आर्टिफिशियल सब्सटेंसेस नहीं मिलाए गए हैं और यह मिनिमल प्रोसेसिंग से गुजरता है।

राष्ट्रपति के आर्थिक सलाहकार का इस्तीफा, 100 रुपये के नोट पर विवादित नक्शा छापने को बताया था गलत

नई दिल्ली । नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के आर्थिक सलाहकार ने 100 रुपये के नये नोट जारी करने के सरकार के फैसले पर अपनी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति ने चिरंजीवी नेपाल के इस्तीफे को मंजूरी दे दी। देश के केंद्रीय बैंक के पूर्व गवर्नर चिरंजीवी नेपाल ने कथित तौर पर नोटों पर नया नक्शा छापने के सरकार के फैसले को अनुचित कदम करार दिया था. पिछले हफ्ते कैबिनेट की बैठक में फैसला किया गया कि 100 रुपये के नए नोट छापते समय पुराने नक्शे की जगह नए नक्शे को लाया जाएगा। नए नक्शे में कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा उसकी सीमा के अंतर्गत आते हैं। सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चिरंजीवी नेपाल की उनकी टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी। नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर राष्ट्रपति के एक करीबी ने बताया है कि चिरंजीवी नेपाल ने अपने इस्तीफे में लिखा, मैंने जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिए यह गंभीर मुद्दा उठाया है क्योंकि इससे लोगों को व्यावहारिक समस्याएं हो सकती हैं। चिरंजीवी नेपाल ने कहा, मैंने माननीय राष्ट्रपति की गरिमा बनाए रखने के लिए पद से इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि मेरे बयान का हवाला देते हुए राष्ट्रपति को अनावश्यक रूप से विवाद में घसीटने के प्रयास किए गए।इससे पहले, सिविल सोसाइटी के नेताओं के एक समूह ने संशोधित संविधान के अनुसार नेपाल के नक्शे के साथ सौ रुपये के नए नोट छापने के सरकार के फैसले के खिलाफ टिप्पणी करने के कारण चिरंजीवी नेपाल को हटाने की मांग की थी। उन्होंने इस मामले पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया से बात करते हुए तर्क दिया कि वह राष्ट्रीय हित के खिलाफ गए और शिष्टाचार का उल्लंघन किया। नेपाल सरकार ने ओली के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान मई 2020 में अपने क्षेत्र के भीतर लिपुलेक, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्रों को शामिल करने के साथ अपने नए राजनीतिक मानचित्र का अनावरण किया था। बाद में संसद ने सर्वसम्मति से इसका समर्थन किया। जिसके बाद सरकार ने भारत की आपत्ति के बावजूद सभी आधिकारिक दस्तावेजों में इस्तेमाल होने वाले पुराने नक्शे को नए नक्शे से बदल दिया है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले सप्ताह नेपाल सरकार के नए नोट जारी करने के फैसले पर असंतोष व्यक्त किया था। जयशंकर ने कहा कि इससे जमीनी हालात बदलने नहीं जा रहे हैं। नेपाल पांच भारतीय राज्यों- सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1,850 किलोमीटर से अधिक सीमा साझा करता है।

हॉन्गकॉन्ग में कार्रवाई से पहले अमेरिका में भी रिजेक्ट किए गए थे एमडीएच के उत्पाद, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली ।
लोकप्रिय भारतीय मसाला ब्रांड एमडीएच, जिसके कुछ उत्पादों में गड़बड़ियों की जांच जारी है, पर पहले भी कार्रवाई हो चुकी है। 2021 से बैक्टीरिया की मौजूदगी के कारण इसके अमेरिकी शिपमेंट का औसतन 14.5 प्रतिशत रिजेक्ट कर किया गया है। अमेरिकी नियामक के आंकड़ों के एक विश्लेषण में यह बात सामने आई है। यह विश्लेषण रॉयटर्स ने किया है।

हॉन्गकॉन्ग ने पिछले महीने एमडीएच द्वारा बनाए गए तीन मसालों और एक अन्य भारतीय कंपनी, एवरेस्ट द्वारा बनाए गए एक मसाले की बिक्री को रोक दिया था। जिसमें स्पष्ट रूप से कैंसर पैदा करने वाले कीटनाशक का एथिलीन ऑक्साइड उच्च स्तर पाया गया था। एथिलीन ऑक्साइड मानव उपभोग के लिए अयोग्य है और लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने पर यह कैंसर का खतरा पैदा करता है।

कंपनियों ने कहा है कि उनके उत्पाद सुरक्षित हैं और एमडीएच ने कहा है कि यह मसालों के भंडारण, प्रसंस्करण या पैकिंग के किसी भी चरण में एथिलीन ऑक्साइड का उपयोग नहीं करता है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं। दोनों ब्रांड भारत में लोकप्रिय हैं और दुनिया भर में निर्यात किए जाते हैं।

भारत ने 2022-23 के दौरान 4 बिलियन डॉलर के मसालों का किया निर्यात

एथिलीन ऑक्साइड मानव उपभोग के लिए अयोग्य है और लंबे समय तक जोखिम के साथ कैंसर का खतरा है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा मसाला उत्पादक है और मसालों का सबसे बड़ा उपभोक्ता और निर्यातक भी है। सिय्योन मार्केट रिसर्च का अनुमान है कि 2022 में भारत का घरेलू बाजार 10.44 बिलियन डॉलर का था, और मसाला बोर्ड ने कहा कि भारत ने 2022-23 के दौरान 4 बिलियन डॉलर के उत्पादों का निर्यात किया।

हालिया जांच से पहले, 100 साल से अधिक पुरानी परिवार द्वारा संचालित भारतीय कंपनी एमडीएच के उत्पादों को साल्मोनेला की उपस्थिति के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में बिक्री के लिए खारिज कर दिया गया था। यह एक बैक्टीरिया है जो गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारी का कारण बन सकता है। यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) से रॉयटर्स द्वारा संकलित नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2023 के बीच साल्मोनेला के लिए जांच में विफल रहने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में एमडीएच के 65 शिपमेंट में से लगभग 20 प्रतिशत, या 13 को खारिज कर दिया गया था। वर्ष 2022-23 में एमडीएच के 119 शिपमेंट में से लगभग 15 प्रतिशत को रिजेक्ट किया गया आंकड़ों से पता चला है कि वित्त वर्ष 2022-23 में, 119 एमडीएच शिपमेंट में से लगभग 15 प्रतिशत को ज्यादातर साल्मोनेला की मौजूगी के कारण खारिज कर दिया गया था, जबकि 2021-22 के दौरान खारिज किए गए शिपमेंट का प्रतिशत 8.19 प्रतिशत था। संयुक्त राज्य अमेरिका में एवरेस्ट को कम अस्वीकृति मिली है, 2023-24 में अब तक इसके 24 शिपमेंट में से केवल एक को साल्मोनेला की मौजूदगी के कारण खारिज किया गया है। आंकड़ों से पता चला है कि 2022-23 में एवरेस्ट के लगभग 3.7 प्रतिशत अमेरिकी शिपमेंट को रोक दिया गया था। वहीं, एक साल पहले अमेरिका में 189 शिपमेंट में से कोई भी अस्वीकृति नहीं हुई थी। एफडीए के आंकड़ों से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए एमडीएच के प्रवक्ता ने कहा कि हमारे उत्पाद सुरक्षित हैं। वहीं एवरेस्ट ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-2024 में उसके अमेरिकी शिपमेंट की असाधारण अस्वीकृति दर 1 प्रतिशत से कम थी, उन्हों कहा कि उनके उत्पाद सुरक्षित हैं।

गतिरोध खत्म होते ही बीमार केबिन क्रू सदस्य भी काम पर लौटे, जल्द सामान्य होंगी सभी सेवाएं

नई दिल्ली । एयर इंडिया से यात्रियों के लिए राहत भरी खबर आई है। एयर इंडिया अब अपनी उड़ानें फिर से बहाल कर रही है। एयरलाइन के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी नेटवर्क को फिर से स्थिर कर रही है। वहीं, केबिन क्रू यूनियन ने बताया कि बीमार होने की सूचना देने वाले सभी सदस्य ड्यूटी पर शामिल हो गए हैं। हालांकि, अब तक एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी संघ ने एक विज्ञप्ति जारी की। विज्ञप्ति में कंपनी ने कहा कि बीमारी की सूचना देने वाले सभी केबिन क्रू सदस्य वापस आ गए हैं। केबिन क्रू की ओर से कोई देरी नहीं की गई। हालांकि, कंपनी के शेड्यूलिंग सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी के कारण अभी भी कर्मचारियों के बीमार होने की सूचना है। इसके अलावा, अधिकारी ने बताया कि उड़ानें धीरे-धीरे बहाल की जा रही हैं। 20 उड़ानें रद्द की गईं एयर इंडिया टाटा समूह के अधीन है। एयरलाइन रोजाना करीब 380 उड़ानों का परिचालन करती है लेकिन केबिन क्रू सदस्यों के अचानक छुट्टी पर चले जाने से उसे अपना परिचालन कम करना पड़ा। सामान्य स्थिति में एयरलाइन 120 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और 260 घरेलू उड़ानों का परिचालन करती है। हालांकि, 20 उड़ानें रद्द की गईं हैं। 85 उड़ानें रद्द कर दीं गईं थीं। जो, कुल दैनिक क्षमता का करीब 23 फीसदी था।

विदेशी निवेशकों ने 10 दिन में निकाले 17,083 करोड़, चुनावी माहौल से एफपीआई में अनिश्चितता

नई दिल्ली ।
विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई के पहले 10 दिन में घरेलू शेयर बाजारों से 17,083 करोड़ रुपये की निकासी की है। चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच ऊंचे मूल्यांकन और मुनाफा वसूली के लिए विदेशी निवेशक घरेलू बाजारों से निकासी कर रहे हैं।

इससे पहले अप्रैल में मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड पर रिटर्न बढ़ने से एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इस तरह, एफपीआई मई के पहले 10 दिन में ही अप्रैल से अधिक की निकासी कर चुके हैं। एफपीआई ने मार्च में 35,098 करोड़ और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। माना जा रहा है कि चुनाव के बाद घरेलू कंपनियों के मजबूत वित्तीय नतीजों की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश बढ़ाएंगे।

बॉन्ड बाजार से 1,602 करोड़ रुपये की निकासी

एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार से भी 1,602 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था। एफपीआई 2024 में अब तक कुल मिलाकर शेयरों से 14,860 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

गोल्ड ईटीएफ से निकले 396 करोड़

गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से अप्रैल में 396 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुईहै।निवेशकों के मुनाफा काटने की वजह से यह निकासी हुई है। हालांकि, मार्च में इसमें 373 करोड़ रुपये का प्रवाह हुआथा।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, इस निकासी के बावजूद अप्रैल के अंत में गोल्ड ईटीएफ के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) पांच फीसदी बढ़कर 32,789 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई।मार्च में गोल्ड ईटीएफ का एयूएम 31,224 करोड़ रुपये रहा था।

रेलिगेयर की कंपनी एनबीएफसी पर लगा फर्जीवाड़े का दाग हटा: रश्मि सलूजा

नई दिल्ली ।
बर्मन परिवार रेलिगेयर एंटरप्राइजेज के अधिग्रहण की कोशिश कर रहा है। इस बीच कंपनी की चेयरपर्सन रश्मि सलूजा का कहना है कि रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की संपत्तियों और निवेश का पूरा फायदा उठाने का काम अधिग्रहणकर्ता की गैर जिम्मेदारी की वजह से अटका हुआ है। सलूजा ने कहा कि रेलिगेयर समूह की चारों कंपनियां वित्तीय मोर्चे पर अच्छा कर रही हैं। हमारी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) पर लगा फर्जीवाड़े का दाग हट गया है और कर्ज देने वालों के साथ एकमुश्त निपटारा भी कर दिया गया है। अब रेलिगेयर की आगे की संभावनाओं का फायदा उठाने पर जोर है। झ

डाबर समूह के प्रवर्तक बर्मन परिवार ने रेलिगेयर में 26 फीसदी हिस्सेदारी और खरीदने के लिए पिछले साल अक्टूबर में खुली पेशकश का प्रस्ताव किया था किंतु उसे अभी तक नियामक से मंजूरी नहीं मिली है।

रेलिगेयर का शेयर 212 रुपये पर बंद हुआ। खुली पेशकश 235 रुपये के भाव पर की गई थी लेकिन रेलिगेयर के बोर्ड ने इसका विरोध करते हुए कहा कि यह कंपनी के सही मूल्य के हिसाब से नहीं है। सलूजा ने कहा कि हम चाहते हैं कि अधिग्रहण का प्रस्ताव लाने वाले दूसरे शेयरधारकों के प्रति ज्यादा जिम्मेदारी दिखाएं और कंपनी से उन्हें पूरा फायदा देने में हमारी मदद करें।

प्रबंधन नियामक से उचित एवं उपयुक्त तमगा हासिल करने में मदद नहीं कर सकता और यह काम उन्हें ही करना होगा। उन्होंने कहा कि खुली पेशकश से कंपनी के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ा है मगर छोटे शेयरधारकों को नुकसान हो रहा है क्योंकि खुली पेशकश में रखी गई कीमत कंपनी के सही मूल्य और संभावनाओं के हिसाब से नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी को अपने हिस्से की जिम्मेदारी लेकर सुनिश्चित करना चाहिए कि अन्य शेयरधारकों को नुकसान न हो।

बकाया भुगतान के लिए मिलेंगे तीन दिन अतिरिक्त जरूरत पर सात दिन में बंद करा सकते हैं

नई दिल्ली ।
आरबीआई ने पारदर्शिता बढ़ाने व उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में कई बदलाव किए हैं। नएनियमों के तहत आप अपने हिसाब से कार्ड नेटवर्क का चुनाव कर सकते हैं।जरूरत पर क्रेडिट कार्ड को सात दिन में बंद करा सकते हैं।

खास बात है कि क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बदलाव कर आरबीआई ने उपयोगकर्ताओं को बड़ी राहत दी है।वह राहत है...बकाया भुगतान के लिएदेय तिथि से तीन दिन का अतिरिक्त समय।इसका मतलब है किअगर आप देय तिथि के तीन दिन बाद भी क्रेडिट कार्ड बकाया चुकाते हैं तो आपको किसी भी तरह का विलंब शुल्क नहीं भरना होगा।

उपयोगकर्ताओं को मिलेगा मुआवजा

संशोधित नियमों के तहत कार्ड जारी करने वाले बैंकों को अनुरोध के

सात कार्यदिवसों के भीतर क्रेडिट कार्ड को बंद करना होगा। ऐसा नहीं करने पर वे कार्डधारक को विलंब शुल्क के रूप में प्रतिदिन 500 का भुगतान करेंगे। कार्ड जारीकर्ता अगर आपके अनुरोध तिथि से कार्ड बंद करने में 10 दिन लगाते हैं, तो इसे तीन दिन विलंब माना जाएगा। इस देरी के लिए वे क्रेडिट कार्डधारक को 1,500 रुपये का मुआवजा देंगे। क्रेडिट स्कोर पर असर नहीं क्रेडिट कार्ड का बकाया चुकाने के लिए देय तिथि के अतिरिक्त आपको तीन दिन मिलेंगे। इस अवधि के बाद ही कार्ड जारीकर्ता इस बकाये पर रिपोर्ट कर सकते हैं या जुर्माना लगा सकते हैं।खास बात है कि इससे आपका क्रेडिट स्कोर भी प्रभावित नहीं होगा। उदाहरण के लिए, अगर बकाया भुगतान की देय तिथि एक मई है और आप 4 मई को भुगतान करते हैं, तो इस पर आपको विलंब शुल्क नहीं चुकाना पड़ेगा।

बिजनेस क्रेडिट कार्ड कारोबारी संस्थाएं व एकमात्र प्रोपराइटर बिजनेस क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। इसे चार्ज कार्ड के रूप में जारी किया जाता है और इसमें ओवरड्राफ्ट सुविधा मिलती है। नए नियमों के तहत कारोबारी संस्थाएं व्यावसायिक खर्चों के लिए व्यक्तिगत कार्ड का इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं। यह नियमों-शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा।

30 दिन के भीतर जरूर सक्रिय कर लें कार्ड

बैंक बाजार के सीईओ आदिल शेट्टी कहते हैं कि नए नियमों के तहत कार्डधारक अब अपना कार्ड नेटवर्क चुन सकते हैं और अपनी सुविधा के अनुसार बकाया भुगतान के लिएबिलिंग साइकिल तय कर सकते हैं। ध्यान रखने वाली बात है कि क्रेडिट कार्ड को 30 दिनों के भीतर सक्रिय जरूर कर लें। साल में कम-से-कम एक बार अपने कार्ड का उपयोग जरूर करें।

सरकारी बैंकों को 2023-24 में रिकॉर्ड 1.42 लाख करोड़ मुनाफा, एनपीए 1.70 प्रतिशत से नीचे

नई दिल्ली ।
सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2023-24 में अब तक का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है। इस अवधि में कुल 12 बैंकों का फायदा बढ़कर 1,42,129 करोड़ रुपये पहुंच गया। इन बैंकों ने 2022-23 में रिकॉर्ड 1.05 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। 2021-22 में यह आंकड़ा 66,540 करोड़ रुपये था। इस दौरान सिर्फ तीन बैंकों यूको, इंडियन ओवरसीज और पंजाब एंड सिंध बैंक के मुनाफे में गिरावट रही।

बैंकों का मुनाफा सरकार की चार आर की रणनीति की वजह से बढ़ा है। इसमें एनपीए को पारदर्शी रूप से पहचानना, समाधान व वसूली, पुनर्पूंजीकरण और वित्तीय तंत्र में सुधार करना शामिल है। इस रणनीति के तहत सरकार ने 2016-17 से 2020-21 के बीच कुल 3.11 लाख करोड़ रुपये की पूंजी बैंकों में डाली है। इससे बैंकों को मदद मिली है।

दूसरी वजह है...लगातार वसूली और बुरे फंसे कर्ज यानी एनपीए में कमी करना है। इसका असर

यह हुआ कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सभी बैंकों का शुद्ध एनपीए घटकर 1.70 फीसदी के स्तर से नीचे आ गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र का एनपीए सबसे 0.20 फीसदी रहा, जबकि पंजाब एंड सिंध बैंक का एनपीए सर्वाधिक 1.63 फीसदी रहा। अकेले एसबीआई की रही आधी हिस्सेदारी कुल लाभ में करीब आधा हिस्सा एसबीआई का रहा। बैंक ने 2023-24 में 61,077 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है, जो 2022-23 की तुलना में 21 फीसदी अधिक है। बैंक ऑफ बड़ौदा 18,676 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर रहा। तीसरे स्थान पर केनरा बैंक का लाभ 37 फीसदी बढ़कर 14,554 करोड़ पहुंच गया। पंजाब नेशनल बैंक ने 8,245 करोड़ का मुनाफा कमाया, जबकि इंडियन बैंक का लाभ 52 फीसदी बढ़कर 8,062 करोड़ पहुंच गया। बैंक ऑफ इंडिया को 6,318 रुपये करोड़ का मुनाफा हुआ, बैंक ऑफ महाराष्ट्र का 56 फीसदी बढ़कर 4,005 करोड़ रुपये पहुंच गया। सबसे कम लाभ पंजाब एंड सिंध बैंक का रहा। लाभ 55 प्रतिशत घटकर 595 करोड़ रुपये रह गया। मार्च तिमाही में 43,091 करोड़ रुपये का मुनाफा मार्च तिमाही में कुल 12 सरकारी बैंकों का मुनाफा 43,091 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। मार्च, 2023 में यह 34,483 करोड़ रुपये रहा था। सबसे अधिक फायदा एसबीआई का 20,698 करोड़ रहा। इसमें 24 फीसदी की तेजी रही। बैंक ऑफ महाराष्ट्र का लाभ 45 फीसदी, सेंट्रल बैंक का 41 फीसदी, इंडियन बैंक का 55 फीसदी और पीएनबी का फायदा तीन गुना बढ़ा। बैंक ऑफ बड़ौदा को 5,132 करोड़ व केनरा बैंक को 3,757 करोड़ लाभ। तेल कंपनियों का लाभ उच्चतम स्तर पर, कमाए 81,000 करोड़ रुपये इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (एचपीसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) ने 2023-24 में 81,000 करोड़ का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है। यह तेल-संकट के पूर्व के वर्षों की उनकी सालाना कमाई से कहीं अधिक है। अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024 के दौरान तीनों कंपनियों का सामूहिक रूप से एकल शुद्ध लाभ तेल संकट से पहले के वर्षों में उनकी 39,356 करोड़ रुपये की वार्षिक कमाई से बेहतर रहा है। आईओसी ने 2023-24 में 39,618.84 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ कमाया है। 2022-23 में यह आंकड़ा 8,241.82 करोड़ रुपये रहा था। बीपीसीएल का शुद्ध लाभ 1,870.10 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 26,673.50 करोड़ रुपये पहुंच गया। एचपीसीएल को 14,693.83 करोड़ का मुनाफा।2022-23 में 8,974.03 करोड़ का घाटा हुआ था।

बजरंग का एक्सपायरी किट से सैंपल लेने पहुंचे डीसीओ को हटाया, नाडा ने की कार्रवाई

नई दिल्ली ।
ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग का एक्सपायरी किट के साथ सैंपल लेने पहुंचे डोप कंट्रोल ऑफिसर (डीसीओ) को हटा दिया गया है। नाडा ने डीसीओ के खिलाफ कार्रवाई मामले की प्रारंभिक जांच के बाद की है। वहीं ट्रायल में सैंपल नहीं दिए जाने के आरोप में अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किए गए बजरंग ने नाडा को नोटिस का जवाब दे दिया है। उन्होंने इस मामले की जल्द सुनवाई की मांग की है। अपने पास से पुरानी किट ले गया डीसीओ जांच में पाया गया कि 13 दिसंबर, 2023 को डीसीओ बजरंग के आवास पर सैंपल की किट नाडा ऑफिस से ले जाने की बजाय अपने पास से पुरानी किट ले गया था। सैंपल देने का समय सुबह आठ बजे था। बजरंग ने यूरिन सैंपल दे दिया था, लेकिन ब्लड सैंपल देने वाली किट एक्सपायरी थी, जिसे बजरंग सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए नाडा पर एक्सपायरी किट के साथ सैंपल लेने का आरोप लगाया था। इसके बाद 10 मार्च को सोनीपत में हुए ट्रायल के दौरान उन्होंने डोप सैंपल नहीं दिया। साथ ही एक्सपायरी किट का जवाब देने को कहा। नाडा ने उन्हें इसके बाद अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया।

जल्द होगी सुनवाई

बजरंग ने अस्थायी प्रतिबंध के नोटिस जवाब में कहा है कि वह इस मामले की जल्द से जल्द सुनवाई चाहते हैं। सूत्र बताते हैं कि उनकी सुनवाई अगले सप्ताह किसी भी दिन हो सकती है। अगर बजरंग सुनवाई के दौरान अपने को निर्दोष साबित नहीं कर पाए तो उन पर दो से चार वर्ष का प्रतिबंध लग सकता है।

एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे बोले- गुजरात खेल में पेशेवर रूप से आगे बढ़ाने के लिए केंद्र के रूप में उभरा

नई दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि गुजरात अपने बुनियादी ढांचे और खेल समर्थक नीति के साथ युवा खिलाड़ियों के लिए खेलों से जुड़ने, प्रगति करने और आगे बढ़ने के लिए केंद्र के रूप में आमने आया है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के संयुक्त सचिव की भी भूमिका निभाने वाले चौबे पहली गुजरात सुपर लीग (जीएसएल) के समापन दिवस पर बोल रहे थे। इस लीग के सभी मैचों की फीफा प्लस पर लाइव स्ट्रीम की गई। चौबे ने कहा, 2010 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'खेल महाकुंभ' जैसा एक छोटा सा कदम उठाया जिसने ना केवल लाखों युवाओं को खेलों में अवसर दिया बल्कि उसी पहल ने 'खेलो इंडिया' के विचार को जन्म दिया जो खेल में महाशक्ति बनने का मार्ग है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय तीरंदाजों को आगामी पेरिस ओलंपिक में अधिक पदक मिलेंगे : किम

नई दिल्ली । तीरंदाजी कोच और मेंटोर किम ह्युंग ताक का मानना है कि मजबूत तकनीकी अभ्यास के कारण भारत को आगामी पेरिस ओलंपिक में लाभ होगा और उसे ज्यादा स्वर्ण पदक मिलेंगे। किम का मानना है कि विश्व कप में स्वर्ण जीतने वाले भारतीय तीरंदाजों को इसमें मिले अनुभवों का लाभ ओलंपिक में दिखेगा हालांकि अभी तक तीरंदाजी में भारत के लिये एकमात्र ओलंपिक कोटा धीरज बोम्मादेवरा को ही मिला है। किम ने भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में कोचों के सेमिनार में कहा ,''भारतीय रिकर्व टीम ने काफी अच्छा तकनीकी अभ्यास किया है। इससे उन्हें ओलंपिक में अच्छे परिणाम मिलेंगे। '' उन्होंने कहा ,'' अभ्यास और तैयारियों में निरंतरता बनाये रखने से ही पेरिस में पदक जीतने की संभावनाएं बढ़ेगी।'' उन्होंने कहा कि रिकर्व तीरंदाज तुर्की के अंताल्या में 14 से 17 जून तक होने वाले अंतिम क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में टीम कोटा हासिल करने का प्रयास करेंगे। बोम्मादेवरा ने तरूणदीप राय और प्रवीण जाधव के साथ गत माह चीन में ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया को हराकर विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था। विश्व भर के 30 देशों में 500 से अधिक तीरंदाजों के कोच रहे किम ने कहा कि भारत के सीनियर तीरंदाज युवाओं की सहायता को तैयार रहते हैं जिसका लाभ भी युवाओं को मिल रहा है, इससे टीम बेहतर होती जाती है।

कार्लसन ने जीता रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट, प्रगनानंदा को चौथा स्थान, 10वें नंबर पर रहे गुकेश

वारसॉ । मैग्नस कार्लसन ने सुपरबेट रेपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट जीत लिया है। वहीं, भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंदा इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रहे। यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है। अंतिम दिन कार्लसन ने ब्लिट्ज वर्ग में नौ में से आठ अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। चीन के वेई यी अंतिम दिन 2.5 अंक की बढ़त के साथ उतरे थे, लेकिन अंतिम नौ बाजियों में पांच ही अंक जुटा सके और दूसरे स्थान पर रहे। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन ने अंतिम दिन सात बाजी जीती और दो ड्रॉ की। उन्होंने कुल 26 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। वेई उनसे आधा अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहे। पोलैंड के डुडा यान क्रिस्टोफ ने 19.5 अंक के साथ तीसरा, जबकि प्रगनानंदा ने 19 अंक के साथ चौथा स्थान हासिल किया। भारत के अर्जुन एरिगेसी 18 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव ने 17.5 अंक के साथ छठा, जबकि किरिल शेवचेनकोव ने 17 अंक के साथ सातवां स्थान हासिल किया। भारत के ही अनीष गिरी 14 अंक के आथ आठवें स्थान पर रहे। जर्मनी के विन्सेंट केमेर उनसे आधा अंक पीछे नौवें स्थान पर रहे, जबकि विश्व चैंपियनशिप के सबसे युवा चैलेंजर भारत के स्टार चेज खिलाड़ी डी गुकेश ने 12.5 अंक के साथ 10वां स्थान हासिल किया।

कोच्चि टस्कर्स ने कई क्रिकेटरों के पैसे नहीं दिये : श्रीसंत

मुम्बई । पूर्व तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत ने कहा है कि आईपीएल में साल 2011 में उन्होंने एक टीम कोच्चि टस्कर्स से खेला था पर उसके पैसे आज तक उन्हें नहीं मिले हैं। श्रीसंत के अनुसार 2011 के बाद टीम को आईपीएल से हटा दिया गया था। श्रीसंत ने कहा कि उनके अलावा कई और खिलाड़ियों को अभी तक इस टीम से खेलने के पैसे नहीं मिले हैं। श्रीसंत ने कहा, कोच्चि टस्कर्स ने मेरे अलावा श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, महेल जयवर्धने, ब्रैंडन मैक्कलम के भी पैसे नहीं दिये थे। साथ ही कहा कि रवींद्र जडेजा भी उस टीम में शामिल थे। ये टीम तीन साल तक खेलनी थी लेकिन एक साल बाद ही बाहर हो गई। मुझे लगता है कि इस मामले पर अधिक ध्यान नहीं दिया गया है। साथ ही कहा कि फ्रेंचाइजी की तरफ से पैसे लौटाने के लिए कई बार वादे किए गए हैं। मगर अबतक उन्होंने पैसे नहीं लौटाए हैं। इस मामले में उन्हें दूर-दूर तक सहायता की उम्मीद भी नजर नहीं आ रही है। श्रीसंत ने ये भी कहा कि उन्होंने बचपन से क्रिकेट में नस्लीय ताने सुने। उन्होंने कहा कि जब वह अंडर-14 खेल रहे थे तभी से उनको नस्लीय ताने मिल रहे थे। श्रीसंत ने साल 2005 में भारत के लिए डेब्यू किया था। उन्होंने भारत के लिए तीनों प्रारुपों को मिलाकर 90 मैच खेले और 169 विकेट लिए। वह साल 2011 में वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया का हिस्सा थे।

क्वालीफाइंग नहीं, सीधे फेड कप फाइनल में खेलेंगे नीरज और किशोर

भुवनेश्वर ।
टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और किशोर जेना को भुवनेश्वर में 15 मई को होने वाले फेडरेशन कप फाइनल्स में सीधे प्रवेश दिया गया है। नीरज और किशोर ने अपने करियर में कई बार 75 मीटर का न्यूनतम क्वालीफाइंग मार्क हासिल किया है, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश देने का फैसला किया गया है। दोहा डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे थे नीरज पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे नीरज ने हाल ही में दोहा डायमंड लीग में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और वह 88.38 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे।

नीरज महज दो सेंटीमीटर से शीर्ष स्थान हासिल करने से चूक गए थे। हालांकि एशियाई खेलों के रजत विजेता जेना का डायमंड लीग में पदार्पण निराशाजनक रहा था क्योंकि वह 76.31 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीन दौर के बाद बाहर हो गए थे। विश्व चैंपियनशिप 2023 में छठे स्थान पर रहे डीपी मनु की नजरें 85.50 मीटर के स्तर को पार करके पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर टिकी होंगी और वह भी सीधे फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

तीन साल में पहली बार घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे नीरज

नीरज चोपड़ा तीन साल में पहली बार भारत में किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने बताया कि 26 वर्षीय नीरज इसे लेकर काफी उत्साहित हैं। नीरज ने 2022 और 2023 में किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया क्योंकि वह विदेश में प्रशिक्षण या प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। वह पिछली बार घरेलू टूर्नामेंट में मार्च 2021 में फेडरेशन कप में खेले थे। पता चला है कि नीरज दोहा से भारत पहुंच चुके हैं, लेकिन वह भुवनेश्वर पहुंचेंगे। एएफआई चाहता था कि नीरज टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद और पेरिस खेलों से पहले एक घरेलू प्रतियोगिता में भाग लें।

नौ एथलीटों को सीधे फाइनल्स में मिला प्रवेश

भारतीय एथलेटिक्स के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने एएफआई के क्वालीफिकेशन नियमों का हवाला देते हुए कहा, वे सभी जो 75 मीटर के स्तर को पार कर चुके हैं, वे क्वालीफाइंग दौर में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे।

जिन लोगों ने प्रविष्टियां दी हैं उनमें नीरज और जेना सहित ऐसा करने वाले नौ खिलाड़ी हैं। वे सीधे फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। 75 मीटर से कम थ्रो करने वाले बाकी खिलाड़ी क्वालीफाइंग दौर में प्रतिस्पर्धा करेंगे और शीर्ष तीन खिलाड़ी फाइनल में 75 मीटर से ऊपर भाला फेंकने वाले नौ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

निशानेबाजी में ईशा और अनीष का जलवा बरकरार, ओलंपिक चयन ट्रायल में दर्ज की दूसरी जीत

भोपाल। ईशा सिंह और अनीष भानवाला ने यहां क्रमशः महिला 25 मीटर पिस्टल और पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल के ट्रायल जीतकर ओलंपिक चयन ट्रायल में दूसरी जीत दर्ज की। अनीष ने दिल्ली में इसी स्पर्धा का पहला ट्रायल जीता था, जबकि ईशा ने भी दिल्ली में कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में महिला 10 मीटर एयर पिस्टल के दूसरे ट्रायल में जीत दर्ज की थी। मध्य प्रदेश राज्य निशानेबाजी अकादमी (एमपीएसएसए) रेंज में ईशा ने महिला 25 मीटर पिस्टल ट्रायल में पहली जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल में 43 अंक जुटाए। उनका स्कोर इसी महीने बाकू विश्वकप में कोरिया की किम येजी के विश्व रिकॉर्ड स्कोर से एक अंक अधिक है। पुरुष रेपिड फायर पिस्टल फाइनल में अनीष ने दबदबा बनाया। उन्होंने पांच निशानों की शुरुआती तीन सीरीज में सभी सटीक निशाने लगाए। उन्होंने 36 अंक के साथ खिताब जीता। विजयवीर सिद्धू 31 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि अंकुर गोयल ने 19 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

आरसीबी को प्लेऑफ के लिए सीएसके को 18 रनों से हराना होगा, अन्य टीमों के परिणामों पर भी रखनी होगी नजर

मुम्बई ।
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की टीम दिल्ली कैपिटल्स को हराकर प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। अब आरसीबी को अपने अंतिम मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को 18 रनों के अंतर से हराना होगा , इसके अलावा अन्य टीम के परिणामों पर भी उसका प्लेऑफ में पहुंचना आधारित रहेगा। आरसीबी ने जैसे ही दिल्ली कैपिटल्स को हराया वैसे ही सीएसके से उसके मुकाबले को लेकर अटकलें शुरु होने लगी हैं।

आईपीएल प्लेऑफ के लिए अभी कोलकाता नाइटराइडर्स 18 और राजस्थान रॉयल्स 16 अंक के साथ पहले और दूसरे नंबर पर हैं। इसके बाद चेन्नई सुपरकिंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद 14-14 अंक के साथ तीसरे और चौथे नंबर पर हैं। वहीं आरसीबी, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के 12-12 अंक हैं और ये टीमें क्रमशः पांचवें, छठे और सातवें नंबर पर हैं। गुजरात टाइटंस (10), मुंबई इंडियंस (8) और पंजाब किंग्स इतने ही अंक लेकर अंतिम तीन स्थान पर हैं। अंक तालिका में मौजूदा स्थित में जो समीकरण बनते हैं, उसके मुताबिक चेन्नई, हैदराबाद और लखनऊ की टीमें अब भी 16 अंक तक पहुंच सकती हैं। जब आरसीबी और सीएसके का मुकाबला होगा। तब तक अंक तालिका का समीकरण काफी कुछ बदल गया होगा। संभव है कि तब तक लखनऊ की टीम अपने दोनों मैच जीतकर 16 अंक तक पहुंच जाए।

अगर आसीबी को प्लेऑफ में जगह बनानी हो तो उसे सीएसके को कम से कम 18 रन से हराना होगा। वहीं यदि यदि आरसीबी 200 रन बनाए और आरसीबी की टीम बाद में बल्लेबाजी करती है तो उसे 18.1 ओवर में लक्ष्य हासिल करना होगा।

भारत की दीक्षा ने रचा कीर्तिमान, महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।
भारतीय ट्रैक एथलीट के एम दीक्षा ने लॉस एंजिल्स में साउंड रनिंग ट्रैक महोत्सव में महिलाओं की 1500 मीटर में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। वहीं, अविनाश साबले पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे। दीक्षा ने आयोजित प्रतियोगिता में 4 मिनट 4.78 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने हरमिलन बैंस का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2021 में वारंगल में राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4 मिनट 5.39 सेकंड के समय के साथ रिकॉर्ड बनाया था।

उत्तर प्रदेश के अमरोहा के रहने वाली दीक्षा का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4 मिनट 6.07 सेकंड था जो उन्होंने 2023 में भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में हासिल किया था।

महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में पारूल चौधरी 15 मिनट 10.69 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रही जबकि अंकिता ने इसी स्पर्धा में 15 मिनट 28.88 सेकंड का समय लेकर दसवां स्थान हासिल किया।

साबले ने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 13 मिनट 20.37 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी गुलवीर सिंह ने 13 मिनट 31.95 सेकंड में दौड़ पूरी की।

साबले का 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड 13 मिनट 19.30 सेकंड है। कार्तिक कुमार ने पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में 28 मिनट 7.66 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया।

ओलंपिक स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : हरमनप्रीत

नई दिल्ली ।
भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए अब काफी कम समय बचा है। ऐसे में अब अभ्यास के लिए हर दिन बेहद महत्वपूर्ण है। इसी कारण अब हमें प्रशिक्षण सत्र के समय का अच्छी प्रकार से इस्तेमाल करना होगा। भारतीय टीम के पास अभी कांस्य पदक है और उसका लक्ष्य इस बार उसके रंग में बदलाव करना रहेगा। हरमनप्रीत ले कहा कि टीम को पिछले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे में उम्मीद के अनुसार सफलता नहीं मिली। भारतीय टीम को इस दौरे में 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। हरमनप्रीत ने कहा, 'हम अभी ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे से लौटे हैं। ऐसे में एक छोटे से ब्रेक के बाद हम फिर से मैदान में उतरेंगे। पेरिस ओलंपिक की उल्टी गिनती शुरु हो गयी है। इसी कारण अब टीम जोश से भरी हुई है। उन्होंने कहा, 'स्वर्ण पदक जीतने के हमारे साझा लक्ष्य से प्रेरित होने से टीम की एकजुटता लगातार बढ़ी है। वहीं टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने भी तैयारी के लिए एक साप्ताहिक कार्यक्रम तैयार किया है। गौरतल है कि भारतीय टीम ने गत वर्ष एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था।

वहीं उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि पेरिस खेलों से पहले टीम को अपनी कमजोरियों को ठीक करना होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से हमें उन चीजों के बारे

में पता चला जिनमें हमें सुधार करना है। हम अभ्यास शिविर में लौटने के बाद इसपर ध्यान देंगे। हमारा लक्ष्य यह तय करना है कि हम पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए समय रहते हर मामले को हल कर दें।

उन्होंने कहा, 'हम बचे हुए दिनों में से हर दिन में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे जिससे यह तय हो सके कि ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने की हमारी इच्छा पूरी हो। गौरतलब है कि पेरिस ओलंपिक में भारत को पूल बी में गत चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ रखा गया है। इसमें भारतीय टीम अपना अपने अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी।

बाबर आजम का कोई सानी नहीं, टी20 क्रिकेट में कप्तानी का बना डाला वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।
पाकिस्तान ने आयरलैंड के हाथों पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में मुंह की खाने के बाद शानदार वापसी की। बाबर आजम के नेतृत्व वाली पाकिस्तान ने डबलिन में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में आयरलैंड को 19 गेंदें शेष रहते 7 विकेट से पटखनी दी। इस जीत के साथ ही बाबर आजम ने टी20 क्रिकेट में कप्तानी में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। बता दें कि आयरलैंड ने दूसरे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 193 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने 16.5 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी की। याद हो कि आयरलैंड ने पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया था।

बाबर आजम शिखर पर पहुंचे

इस जीत का सबसे बड़ा फायदा कप्तान बाबर

आजम को हुआ, जिन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। बाबर आजम सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल मैच जीतने वाले कप्तान बन गए हैं। बाबर के नेतृत्व में पाकिस्तान ने 45वीं जीत दर्ज की। इससे पहले टी20 इंटरनेशनल मैचों में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड युगांडा के ब्रायन मसाबा के नाम दर्ज था।

मसाबा के नेतृत्व में युगांडा ने 44 मैच जीते। अब बाबर आजम इनसे आगे निकलकर शिखर पर पहुंच गए हैं। बता दें कि कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल मैच जीतने के मामले में इयोन मोर्गन तीसरे नंबर पर काबिज हैं। मोर्गन के नेतृत्व में इंग्लैंड ने 42 मैच जीते। अफगानिस्तान के असगर अफगान मोर्गन के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर काबिज हैं।

भारतीय जोड़ी का ये है हाल

कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल मैच जीतने के मामले में भारत के एमएस धोनी और रोहित शर्मा संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर काबिज हैं। धोनी और रोहित दोनों की कप्तानी में भारत ने 41 मैच जीते। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच 40 जीत के साथ टॉप-5 की लिस्ट को पूरा करते हैं।

कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा जीत - टॉप-5

- 45 - बाबर आजम (पाकिस्तान)
- 44 - ब्रायन मसाबा (युगांडा)
- 42 - इयोन मोर्गन (इंग्लैंड)
- 42 - असगर अफगान (अफगानिस्तान)
- 41 - एमएस धोनी (भारत)
- 41 - रोहित शर्मा (भारत)
- 40 - आरोन फिंच (ऑस्ट्रेलिया)

बता दें कि पाकिस्तान और आयरलैंड के बीच सीरीज का तीसरा व अंतिम टी20 इंटरनेशनल मैच डबलिन में खेला जाएगा। आयरलैंड की कोशिश पाकिस्तान को पहली बार टी20 इंटरनेशनल सीरीज में मात देने की होगी।

सलाह

खून की कमी पूरी करती मूंगफली

मूंगफली वैसे तो हर मौसम में नमकीन जैसी और भी चीजों में इस्तेमाल होती है लेकिन सर्दियों लोग इसे बहुत शौंक से खाते हैं। इसमें ओमेगा 3, प्रोटीन जैसे और भी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। आइए जाने इसे खाने के सेहत संबंधी फायदों के बारे में...

दिल के लिए: मूंगफली कोलेस्ट्राल को कंट्रोल करने में मददगार है। इससे दिल संबंधी बीमारियों से बचा जा सकता है।

प्रोटीन से भरपूर: प्रोटीन बॉडी के लिए बहुत जरूरी है। इसे खाने से पुराने सैल्स की मुरम्मत होती है और नए सेल्स का निर्माण होता है जो रोगों से लड़ने के लिए बहुत जरूरी है। इसे खाने से शरीर में प्रोटीन की कमी पूरी हो जाती है।

पाचन प्रक्रिया: मूंगफली में पाया जाने वाला तेल पेट के लिए बहुत फायदेमंद है। इसके सेवन से कब्ज,गैस और एसिडिटी की समस्या से भी राहत मिलती है। इससे पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है।

गर्भावस्था में जरूरी: मूंगफली का नियमित सेवन प्रैंगनेसी के लिए भी बहुत अच्छा होता है। यह गर्भावस्था में शिशु के विकास में मदद करती है।

खून की कमी: रोजाना 50 या 100 ग्राम मूंगफली रोजाना खाने से सेहत बनती है। भोजन आसानी से पचता है और शरीर में खून की कमी नहीं होती है।

सेहत के लिए वरदान है अनार

अनार एक ऐसा फल है जो आपको सौ तरह की बीमारियों से दूर रखता है । यह फल खाने में जितना स्वाद है, इसके फायदे भी उतने ही है। अनार खून बढ़ाने से लेकर कई एजिंग रोकने में सहायक होता है। एक अनार आपके लिए लाभदायक हो सकता है...

वायरस से मुक्ति: अनार एक ऐसा फल है जिसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, विटामिन सी और के होता है। अनार के सेवन से शरीर में एंटी एचसीवी तत्व बढ़ता हैं जिससे वायरस से लड़ने में मदद मिलती है।

बूढ़ापे को रखें दूर: अनार शरीर की कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से बचाता है, जिससे आप वक्त से पहले बूढ़े नहीं दिखते।

रक्त को रखें पतला: अनार शरीर की रक्तवाहिनी दीवार को अतिरिक्त वसा से कठोर होने से बचाता है।

गठिया से मुक्ति: अनार गठिया रोग से पीडित व्यक्ति के फायदेमंद होता है। यह फल कार्टिलेग को नष्ट करके जलन और सूजन से भी सुरक्षा करता है।

कैंसर: अनार का जूस प्रोस्ट्रेट कैंसर से लड़ने में मदद करता है इसलिए रोज एक गिलास अनार का जूस पीना चाहिए।

संक्रमण से मुक्ति : अनार के सेवन से हेपेटाइटिस सी जैसे गंभीर वायरस के संक्र मण को रोकने में मदद मिलती है।

मोटापा कम करे : अनार में कैलोरी नहीं होती जिसकी वजह से यह फल वजन नहीं बढ़ने देता है।

बीपी में आराम : ब्लड प्रेशर कम करने के लिए भी अनार काफी सहायक होता है।

दस्त में फायदेमंद : अनार आप दस्त से परेशान है तो अनार सहायक हो सकता है और इसका जूस मिचली को रोकने में फायदेमंद होता है।

नमक का पानी पीने से दूर होगी कई बीमारी

हर कोई चाहता है कि वह लंबे समय तक जीवित रहे और इसको किसी भी तरह की बीमारी का सामना न करना पड़े। अगर आप भी कुछ ऐसा ही चाहते है तो रोजाना नमक वाले पानी का सेवन करें। रोज सुबह नमक वाला पानी पीने से कई तरह की परेशनियां और बीमारियां दूर हो सकती है। शरीर हड्डियों से कैलशियम और मिनरल लेता है। रोज सुबह नमक वाला पानी पीने से हड्डियां मजबूत होती है।

इस होममेड नॉन-टॉक्सिक हैंड सैनिटाइजर का प्रयोग

इंफेक्शन से दूर और स्वस्थ रहने के लिए हाथों की स्वच्छता महत्वपूर्ण होती है। नियमित अंतराल में हाथ धोना शरीर में होने वाले इंफेक्शन और कीटाणुओं से होने वाले इंफेक्शन को दूसरे में फैलाने से रोकने के लिए जरूरी होता है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) अच्छे परिणाम के लिए 20 सेकंड के लिए साफ पानी और साबुन से हाथ धोने की सिफारिश करते हैं। सीडीसी के अनुसार, अगर पानी और साबुन उपलब्ध नहीं है, तो हाथों को इंफेक्शन से दूर रखने के लिए एल्कोहल बेस हैंड सैनिटाइजर दूसरा सबसे अच्छा उपाय है। हालांकि बाजार में हैंड सैनिटाइजर की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है लेकिन इनमें मौजूद केमिकल के कारण आपको घर में उपलब्ध नॉन-टॉक्सिक हैंड सेनिटाइजर ही इस्तेमाल करना चाहिए।

टॉक्सिक है कमर्शियल

यूएस में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने एंटीबैक्टीरियल साबुन और संबंधित प्रोडक्ट जैसे की हैंड सेनिटाइजर की सुरक्षा के बारे में चौंकाने वाली चिंताओं को उठाया है। एफडीए के अनुसार, सभी एंटी-बैक्टीरियल लेबल क्लीनिंग प्रोडक्ट में ट्राइक्लोसान और ट्रिक्लोकरबन नामक केमिकल होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक हानिकारक होते हैं। इसके अलावा लंबे समय तक एंटी-बैक्टीरियल कमर्शियल हैंड सैनिटाइजर के इस्तेमाल के नकारात्मक प्रभाव की संभावना बढ़ जाती है। नियमित रूप से इस्तेमाल से हैंड सैनिटाइजर में मौजूद ट्राइक्लोसान को हाथ की त्वचा तुरंत सोख लेती है। अगर यह रक्त संचार में शामिल हो जाये, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कम्युनिकेशन को बाधित करता है। इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को सूखा बनाने, बांझपन और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है। यह केवल एक व्यक्ति और उनके घर को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरे समुदाय को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। इस प्रकार ट्राइक्लोसान का उपयोग एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय बन सकता है। इसके अलावा अन्य कमर्शियल केमिकल भी परोक्ष रूप से अपने स्वास्थ्य को प्रभावित करते है। यह केमिकल त्वचा को अनगिनत पर्यावरण दूषित पदार्थों को अवशोषित करने के लिए अतिसंवेदनशील बना देता हैं। इसलिए आपको घर में बना नॉन-टॉक्सिक हैंड सैनिटाइजर इस्तेमाल करना चाहिए। आइए हम आपको घर में हैंड सैनिटाइजर बनाने की विधि के बारे में बताते हैं।

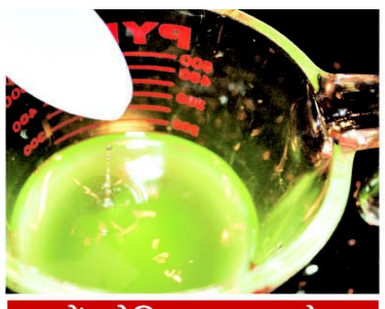

हैंड सैनिटाइजर बनाने के लिए जरूरी चीजें

डिस्टिल्ड वॉटर - एक कप
एल्कोहल - दो बड़े चम्मच
एलोवेरा जैल - एक चम्मच
विटामिन ई ऑयल - आधा चम्मच
टी ट्री आवश्यक तेल - दस बूंदें
दालचीनी आवश्यक तेल - दस बूंदें
लौंग आवश्यक तेल - पांच बूंदें
रोजमेरी आवश्यक तेल - पांच बूंदें
नीलगिरी आवश्यक तेल - पांच बूंदें
मिक्सिंग बाउल - एक
कप और चम्मच - मापने के लिए
स्प्रे बोतल - मध्यम आकार
कीप - एक

मौजूद चीजों के लाभ

» एल्कोहल कीटाणुओं को प्रभावी ढंग से मारने में मदद करता है।

» विटामिन ई युक्त तेल में मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं जो रबिंग एल्कोहल की कठोरता काउंटर करते है। आप विटामिन ई युक्त तेल के स्थान पर ग्लिसरीन का उपयोग भी कर सकते हैं।

» एलोवेरा जैल एक अत्यधिक प्रभावी एंटी-बैक्टीरियल एजेंट है और आपकी त्वचा को मॉश्चराइज करने में मदद करता है।

» टी ट्री, दालचीनी, लौंग, रोजमेरी और नीलगिरी आवश्यम तेलों में कई प्रकार के एंटी-बैक्टीरियल एजेंट होते हैं। साथ ही यह सैनिटाइजर को ताजा खुशबू देते हैं।

» 2000 में जर्नल ऑफ एंटी-माइक्रोबियल कीमोथेरेपी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, बैक्टीरिया को दूर करने में टीट्री ऑयल कई अन्य उपायों से ज्यादा प्रभावी है।

» नीलगिरी आवश्यक तेल में ई कोलाई और एस ऑरियस कीटाणुओं के खिलाफ लड़ने की शक्ति होती है।

बनाने की विधि

ऊपर दी सभी चीजों को एक साथ एक बाउल में लेकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर एक कीप की मदद से इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में डाल दें। स्प्रे बोतल की कैंप को अच्छे से बंद करके बोतल को अच्छे से हिला लें। आपका घर में बना नॉन-टॉक्सिक हैंड सैनिटाइजर उपयोग के लिए तैयार है। अपनी हथेली पर कुछ स्प्रे करें और अपने हाथों को अच्छे से रगडें। वैकल्पिक रूप से, आप इसे रगुलर नॉन-स्प्रे बोतल में भी डाल सकते हैं और जैल के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

कान से जुड़ी ये गलतियां कभी न करें!

अनमोल है कान

शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है कान, इसके बिना सुनने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। यह ऐसा अंग है जिसकी अधिक देखभाल की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन क्या आप जानते हैं मात्र 6 हड्डियों से बने कान को आप रोज अनजाने में नुकसान पहुंचाते हैं। नहाने के बाद ईयरबड्स से कान की सफाई, हल्की खुजली होने पर उंगली से खुजलाना, बहुत तेज आवाज में ईयरफोन से गाना सुनना, आदि हरकतों से कान की सुनने की क्षमता प्रभावित होती है।

कान के बिना आप कुछ भी नहीं सुन सकते, लेकिन कई सामान्य चीजें ऐसी हैं जिनसे आप अपने कान को नुकसान पहुंचाते हैं।

कैंडल से कान की सफाई

कान में खुजली हो या फिर कान में मैल यानी ईयर वैक्स जमा हो जाये तो उसे निकालने के लिए आजकल लोग मोम का अधिक प्रयोग कर रहे हैं, इस प्रक्रिया को ईयर कैंड्लिंग कहा जाता है। न्यूयार्क में हुए एक शोध की मानें तो इस तरीके से कान की सफाई कराना ठीक नहीं। इनसे कानों को नुकसान पहुंचता है, इसके कारण कान जल भी सकते हैं। इसके अलावा ईयरवैक्स जब पूरी तरह से निकल जाता है तो कान सूख जाते हैं, जिससे सुनने की क्षमता प्रभावित होती है। इसलिए कान को साफ करने के लिए कैंडलिंग कराने से बचें।

ईयरफोन से तेज आवाज में गाना सुनना

ईयरफोन से बहुत अधिक तेज आवाज में गाना सुनने का आजकल रिवाज सा हो गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं इस तरह से गाना सुनने से आप बहरे भी हो सकते हैं। अमेरिका के 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन डीफनेस' की मानें तो अमेरिका में मात्र 20 साल की उम्र में 15 प्रतिशत लोग बहरेपन का शिकार हो जाते हैं, इसका कारण ईयरफोन से तेज आवाज में गाना सुनना है। भारतीय पत्रिका में छपे शोध की मानें तो बहरेपन के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार कारकों में ईयरफोन भी है। इसलिए अगर आपके अंदर भी ये आदत है, तो इसे बदल दीजिए।

कान में उंगली डालना

जब भी कान में खुजली होती है आप कान में उंगली डालकर आप खुजलाने लगते हैं। लेकिन यह आपके कान को नुकसान पहुंचाता है।

एक्वेरियम में रखें इस तरह की मछलियां, तभी मिलेगा फायदा

घर और ऑफिस में एक्वेरियम रखना शुभ माना जाता है। इसको साफ और सही दिशा में रखना भी बहुत जरूरी है। यह जहां घर की खूबसूरती बढ़ाता है वहीं परिवार की खुशहाली में भी बहुत योगदान देता है। इसमें बहुत से ऐसी बातें होती हैं जो वास्तु के अनुसार आपको लिए बहुत फायदेमंद हो सकती हैं।

1. पानी की आवाज

एक्वेरियम में रखे जाने वाली पानी का आवाज घर की साकारात्मक उर्जा लाने में मददगार है। इससे परिवार में खुशहाली आती है। इस बात का ध्यान रखें कि पानी हर समय चलता रहना चाहिए।

2. कमरे का चुनाव

एक्वेरियम रखते समय इस कमरे के चुनाव का भी ख्याल रखें। अगर कमरा खुश्क है तो इसे रखने से ऊर्जा और नमी स्थापित होती है।

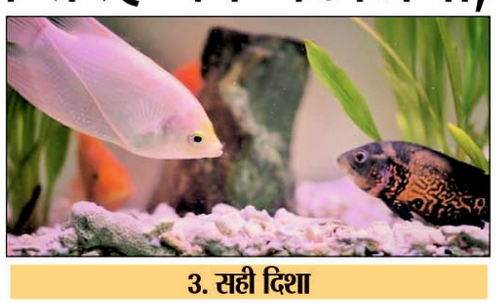

3. सही दिशा

इसे रखने के लिए सही स्थान का होना भी बहुत जरूरी है। घर का दक्षिण-पूर्वी भाग एक्वेरियम के लिए बैस्ट माना जाता है। इस जगह को वास्तु और पारंपरिक रूप से अच्छा माना जाता है। उत्तरी दिशा करियर ग्रोथ और पूर्वी दिशा पारिवारिक शांति की बढ़ौतरी में मददगार है। इसके अलावा प्राकृतिक रोशनी के नीचे एक्वेरियम रखने से मानसिक दबाव और तनाव में कमी आती है।

4. जरूरी तत्व

एक्वेरियम में पानी, धरती यानि कंक?-पत्थर, रोशनी वाले तत्व यानि लाल, पीली और नारंगी रंग की मछली जरूर रखनी चाहिए।

5. इन रंगों की मछली रखें

फेंग शुई के अनुसार एक्वेरियम में 1 काली,8-9 नारंगी, 1 गोल्ड फिश और लाल मछली जरूर रखें।

6. मछलियों का संख्या

एक्वेरियम में रखी जाने वाली मछलीयों का संख्या 9 होनी चाहिए। इस बात का भी ध्यान रखें कि जब कोई मछली मर जाए तो उसे तुरंत निकाल दें।

रेसिपी

काजू कतली

सामग्री

काजू- 1 किलो, 750 ग्राम पिसी हुई चीनी, 7 इलायची का पाउडर, 2 चांदी का वर्क

विधि

काजू को पानी में 5 से 6 घंटे के लिए भिगो दीजिये। उसके बाद पानी मे से निकालकर मिक्सी से बारीक पीस कर पेस्ट बना लीजिये। उसके बाद पेस्ट में पिसी चीनी मिला लीजिये। एक कढाई में काजू का पेस्ट डालकर धीमी आंच पर तब तक चम्मच से चलाते रहे जब तक गाढ़ा नहीं हो जाता। इलायची पाउडर डाल दीजिये, जब मिश्रण कढाई के चारो तरफ सफेद और सूखा सा दिखने लगे तब गैस बंद कर दीजिये। मिश्रण को पलेट में निकाल लीजिये और पतला पतला फैला दीजिये। ठंडा होने के बाद उस पर वर्क लगा दीजिये। उसके बाद अपने मन पसंद अपने आकार में काट लीजिये। काजू कतली बन कर तैयार है।

मैदा के मीठे पेठे

सामग्री

1 कप रवा (सूजी), चार कप मैदा छना हुआ, एक कटोरी घी मोयन के लिए, आधा चम्मच बेकिंग पाउडर, दो कटोरी शक्कर, इलायची पाउडर, घी अलग से, पाव कटोरी मेवे की कतरन।

विधि

सर्वप्रथम सूजी-मैदे में बेकिंग पाउडर मिला लें और गरम घी का मोयन देकर गुनगुने पानी से कड़ा आटा गूंथ लें। अब बड़ी-बड़ी लोई बनाकर मोटा बेल लें। मोटी व लंबी-लंबी स्ट्रिप काट लें। पूरे मैदे की स्ट्रिप बनने के बाद कपड़े पर एकाध घंटा सुखने के लिए रख दें। एक कड़ाही में आवश्यकता के अनुसार घी गरम करके धीमी आंच पर सारे पेठे तल लें। ध्यान रहे कि पेठों का रंग ज्यादा न बदलें। सारे पेठे तलने के बाद एक बर्तन में शक्कर में आधा कप पानी डालकर बूरे की चाशनी तैयार करके उसमें इलायची डाल दें। पेठे ठंडे होने के बाद कड़छी की सहायता से उन पर चाशनी बखेरती जाएं, ऊपर से मेवे की कतरन बुरक कर उन्हें पलटे की सहायता से धीमे-धीमे ऊपर-नीचे करती रहे। सारे पेठों पर चाशनी चढ़ने के बाद उन्हें ठंडा करके एयर टाइट डिब्बे में भर दें। मैदे के मीठे पेठे का आनंद उठाएं।

कंप्यूटर और संगीत की समझ देगी

फिल्म एडिटिंग के क्षेत्र में मौका

विगत कुछ वर्षों से देश में न्यूज चैनल्स की बाढ़ सी आ गई है, और इनकी बढती संख्या के मददेनजर इस प्रोफेशन में काम करने वाले लोगों की मांग भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े ग्लैमर के कारण युवा इस फील्ड की ओर तेजी से खिंचे चले आ रहे हैं, लेकिन संबंधित कोर्स करने के बावजूद सभी को नौकरी मिलने में मुश्किल होती है। ऐसे में एडिटिंग खासकर नॉन-लीनियर एडिटिंग यानी एनएलई का अपडेटेड कोर्स करके प्रोडक्शन हाउस में और न्यूज चैनल में आप आसानी से नौकरी पाने में कामयाब हो सकते हैं।

अगर आप में दृश्यों को समझने और परफेक्ट साउंडमिक्सिंग की क्षमता है तो आप इस क्षेत्र में बेहतर काम कर सकते हैं। कैमरे से शूट किए गए वीडियो को कंप्यूटर की सहायता से एडिट करके निर्धारित टाइम फ्रेमपर चलाना ही एडिटिंग कहलाता है। शूट के बाद प्रोग्राम या फिल्म की मांग के अनुसार वीडियोटेप्स को एडिट करके टाइम लाइन पर रखा जाता है। विजुअल्स के साथ साउंड और म्युजिक दोनों मिक्स किए जाते हैं। पहले यह काम लीनियर एडिटिंग तकनीक से किया जाता था। लेकिन वह तकनीक बहुत महंगी होती थी, साथ ही इसमें समय भी काफी लगता था। अब यह सारा नॉन लीनियर एडिटिंग से किया जाता है। इसमें कंप्यूटर पर एडिटिंग सॉफ्टवेयर की मदद से की जाती है। किसी कार्यक्रम को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करना एडिटर की दक्षता पर निर्भर करता है। ऐसे में इस क्षेत्र में खास पहचान बनाने के लिए आप में एडिटिंग के साथ-साथ क्या अच्छा लगेगा और क्या नहीं की समझ होनी बहुत ही जरूरी है।

प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

- भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली
- मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिकेशन स्टडीज, पुणे यूनिवर्सिटी

कैसे बने एडिटर

नॉन-लीनियर एडिटिंग में बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए कई संस्थान अब एनएलई में विशेष डिप्लोमा कोर्स संचालित कर रहे हैं। कोर्स की बढ़ती लोकप्रियता और डिमांड को देखते हुए शॉर्ट टर्म कोर्स भी चलाए जा रहे हैं। वर्किंग नॉलेज प्राप्त करने के लिए आप चाहेंतो किसी प्रोडक्शन हाउस या चैनल में इंटर्नशिप भी कर सकते हैं।

कैसे पाए प्रवेश

एडिटंग से संबंधित कोर्स में एडमिशन लेने के लिए किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएट होना आवश्यक है। शॉर्ट- टर्म कोर्स के लिए कम से कम बारहवीं उत्तीर्ण होना जरूरी है। कंप्यूटर की बेसिक नॉलेज रखने वालों को इसे सीखने में आसानी होती है। इसके अलावा आपमें क्रिएटिविटी और संगीत की समझ होने की भी जरूरत होती है।

संभावनाएं

एलएलई कोर्स करने और इसमें कुशलता हासिल करने के बाद विभिन्न चैनल्स न्यूज एवं एंटरटेनमेंट, प्रोडक्शन हाउस और फिल्म कंपनियों में आसानी से काम मिल जाता है। कोर्स करने के बाद प्रोडक्शन हाउस या टेलीविजन चैनल में आकर्षक वेतन मिलता है। कुल मिलाकर इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)